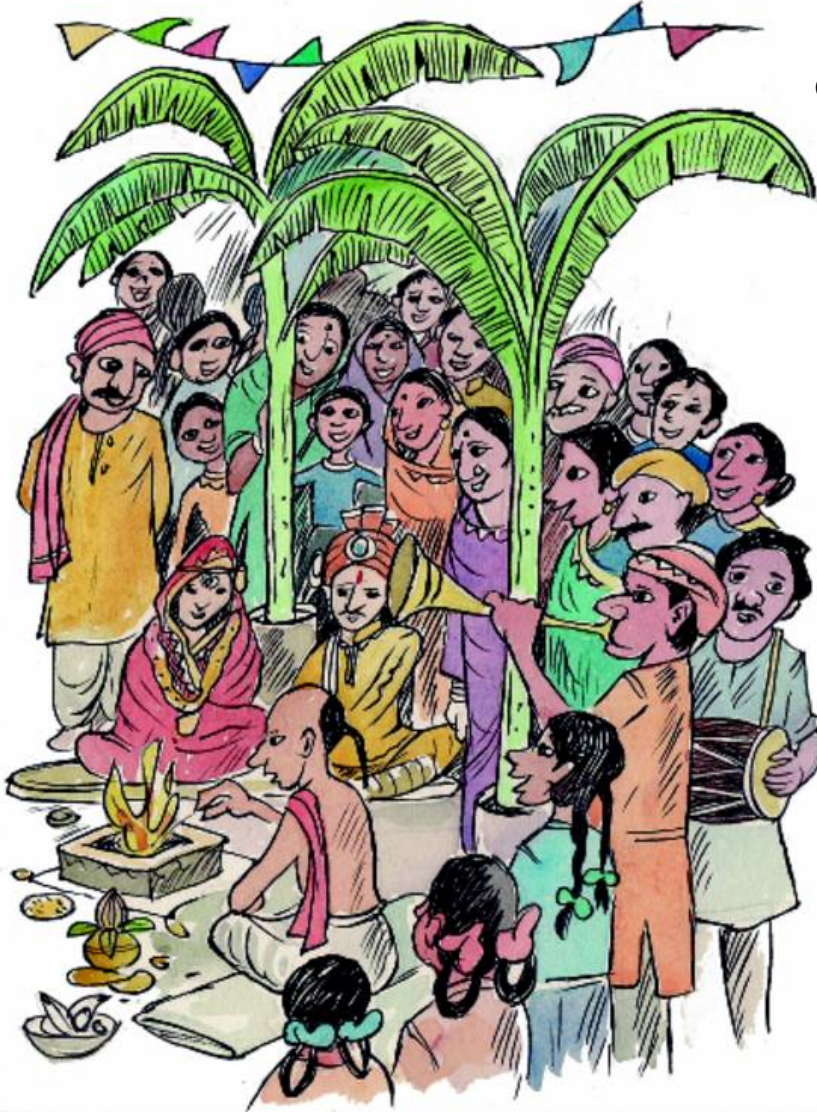


## चाचा की शादी



pkpk dk tc C; kg jpk; kj  
 esgekuka dksU; krk fhktok; kj  
 ?kj vk; sl c fj'rnkj]  
 Hkj&iyk viuk ifjokj]

fnYyh I s ekek&ekeh vk, ]  
 I x ea ukuk&ukuh vk, ]  
 I kMh] fcUnh] pMh&ygBh]  
 dbZ I kxkra HkV/ ea yk, A

QIDk&QIDh] eki k&eki h]  
 cgr nij I s vk, g]  
 I kfk ea viusI; kj&l; kjs  
 cPpkadks Hh yk, g]

nkn&nknh dsD; k gSdgu\$  
 mudsge I c I; kjsviu\$  
 ek&fi rkth [kqk gdfdu\$  
 fj'rnkj tc vk; sbruA

vc crkb, %

1- bl dforkeadk&dk I sfj 'rkadk uke vk; k g&

.....  
.....

2- D; k vki fdI h 'kknh ea' kfev gkus?kj I sckgj x, g& fdI dh 'kknh ea v& dgk\

-----

3- ogk vki dsdk&dk I sv& fj 'rnkj vk, Fk& I vph cukb, A

.....  
.....

4- dk&dk I s, s se&sg& t c vki ds?kj ckj I sfj 'rnkj vkrsg&

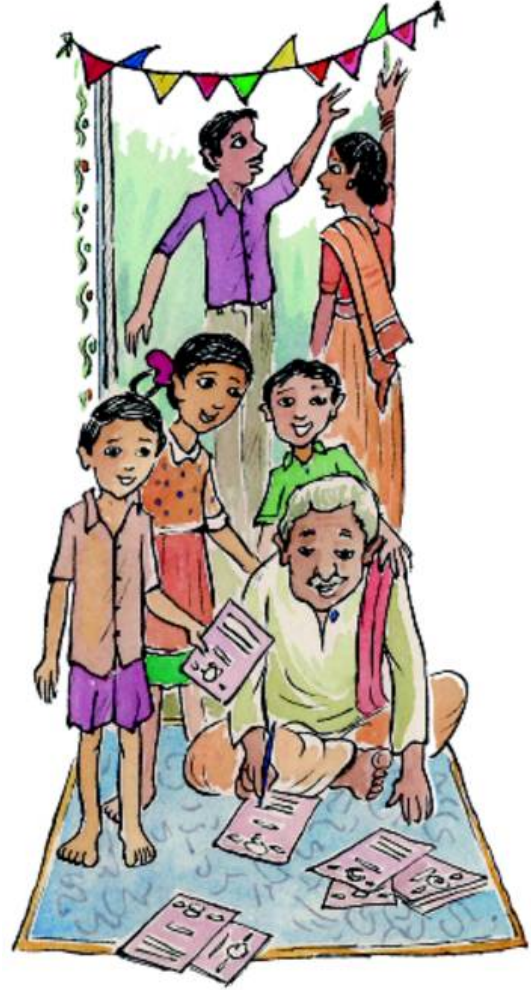
.....  
.....

5- feykb, %

नाना	फुआ के पति
मामा	मौसी के पति
चाची	माँ के पिता
ताऊ	चाचा की पत्नी
मौसा	माँ का भाई
फूफा	पिता के बड़े भाई

6- dfork dsvuq kj fj' rka dksHkfj , %&

nknk	nknh



आस्था और आकाश भाई-बहन हैं। दोनों बहुत खुश हैं। आज उनकी फुआ अपने बच्चों के साथ घर आई हैं। आस्था और आकाश ने फुआ के पाँव छुए। फुआ ने प्यार से आकाश को गोद में उठा लिया।

आस्था के चाचाजी की शादी पाँच दिनों के बाद है। घर में जोर-शोर से शादी की तैयारी चल रही है।

दादाजी पड़ोसियों को निमंत्रण देने के लिए कार्ड पर नाम लिख रहे हैं। आकाश और आस्था एक-एक कार्ड उनके हाथ में दे रहे हैं।

दादाजी ने पूछा- 'आस्था और आकाश, तुम लोग भी किसी को निमंत्रण दोगे?'

दोनों ने अपने मित्रों का नाम एक कागज पर लिखकर दादाजी को दे दिया। दादाजी ने मुस्कराते हुए उनके नाम कार्ड पर लिख दिए।

**vxj vki ds?kj ea'kknh glxh rksvki fdu&fdu fe=ladkscy/kuk plgaxs mudsuke fyf[k, A**

.....  
 .....

देखते-देखते शादी का दिन आ गया। आज बारात जाएगी। घर में काफी भीड़ है। सब लोग इधर-उधर, भाग-भागकर अपना-अपना काम निबटा रहे हैं।

बारात निकली। धूमधाम से शादी हुई। आस्था और आकाश की चाची घर आई। घर में सभी बहुत प्रसन्न हैं।

दादीजी ने खुश होकर कहा- “कितना अच्छा और बड़ा है- हमारा परिवार।”

आस्था बोली- “दादीजी यह परिवार क्या होता है?”

दादीजी हँसते हुए बोली- “जब घर में माता-पिता, उनके भाई-बहन, दादा-दादी एवं बच्चे एक साथ रहते हैं तो उसे परिवार कहते हैं। अपने परिवार में - “मैं, तुम्हारे दादाजी, माँ-पिताजी, चाचा-चाची एवं तुम सभी भाई-बहन हैं। हम सब के साथ-साथ रहने के कारण सभी लोग एक-दूसरे के सुख-दुःख में काम आते हैं।”

### crkb, %

1- vki dsi fjokj eadk&d& g& mudsuke rFk mul svki dk D;k fj'rk g& fyf[k,A

Ø-I a	uke	fj'rk
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		

2- vki ek , oafi rkt h dh rjQ dsfj' rkadsuke fyf[k, &

माँ से संबंधित

पिता से संबंधित

Ø-I a	ukuk	nknk

3- vki dsekek dk c\k vki dh ek; dk D; k yxsx\

.....

4- vki dh Qqk dh c\h vki dsfi rkth dsD; k yxsx\

.....

5- vLFk dh pkph 'knh dsckn vj fdu&fdu u, fj' rksdsuke l st kuh tk, xh\

.....

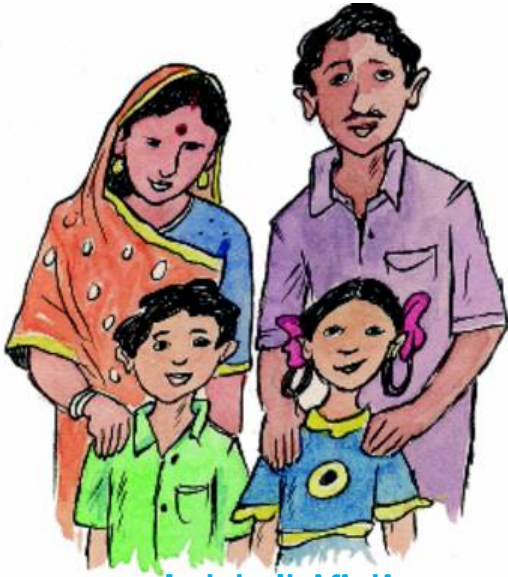
.....

6- uhsdh i gyh l sfj' rksdsuke <k elj [kkyh LFkkukaeafyf[k, A yxkrkj Øe eavk jgsv {kj kcdk nqkj k iz; kx dj l drsg\

4	~	41	1	51
8:	1	42	42	1
1	~	12	41	4
11	4	43	1	8:
12	8	13	1	12
1	1	1	41	41

.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....

CCC



i qtrk dk i fjokj

iB&2

## हमारा परिवार

यह सुनीता का परिवार है। सुनीता अपने माँ, पिताजी और भाई राकेश के साथ रहती है। सुनीता के पिताजी किसान हैं। सुनीता और राकेश पास के स्कूल में पढ़ने जाते हैं।

यह दिलीप का परिवार है। दिलीप अपने दादा-दादी, माता-पिता, चाचा-चाची, फुआ, चचेरी बहन शिखा और अपनी बहन अनीता के साथ रहता है। उसके छोटे चाचा शहर में पढ़ते हैं इसलिए वे वहीं रहते हैं। दिलीप के पिताजी की कपड़े की दुकान है, बड़े चाचा शिक्षक हैं और चाची अस्पताल में नर्स है। उसकी माँ घर का काम सँभालती हैं। घर के सभी लोगों का खाना एक साथ बनता है। रात्रि का भोजन सभी लोग एक साथ ही करते हैं।



fnyhi dk i fjokj

1- vki Hkh vius ifjokj ds ckjse crkb, %

- (i) आपके परिवार में कुल कितने सदस्य हैं?
- (ii) आपके पिताजी का क्या नाम है? -----
- (iii) आपकी माँ का क्या नाम है?
- (iv) अपना परिवार के सभी सदस्यों के नाम लिखिए।  
-----  
-----

2- vki ds ?kj ea dku D; k&D; k dke djrk gS ml suhps dh rkfydk ea fyf[k, %

dke	dku djrk gS
पानी भरना	
घर की सफाई करना	
खाना बनाना	
बाजार से सामान खरीदना	
कपड़े धोना	
जानवरों की देखभाल करना	
नोकरी / व्यवसाय करना	
घर के जरूरी फोसले करना	

3- ,! snksdke crkb, tskvki dsfi rkt h vki dsfy, djrsg

-----

4- ,! snksdke crkb, tskvki dh ek vki dsfy, djrh g

-----

5- vki vius?kj ea D; k&D; k dke djrsg

-----

6- i fjokj eal Hh ykx , d l kFk ughajgarkSD; k glxk\

---

7- vki vi usnknkth l si Ndj i rk yxkb , fd osdl sjgrsFlx fdrusyok  
Flx dlx D; k&D; k djrk Fk\

---

8- vki dksvi usi fjokj eal cl svPNk dlx yxrk gSvkj D; k\

---

9- vki dh ek vki dsi fjokj eavkusl si gysdglkjgrh Flx

---

10-(i) vi uh ek l smudscpiu dsckjs ea iNdj crkb , fd og cpiu ea  
D; k&D; k dke djrh Flx

---

(ii) mlga; sdke fd l usfl [kk, Flx

---



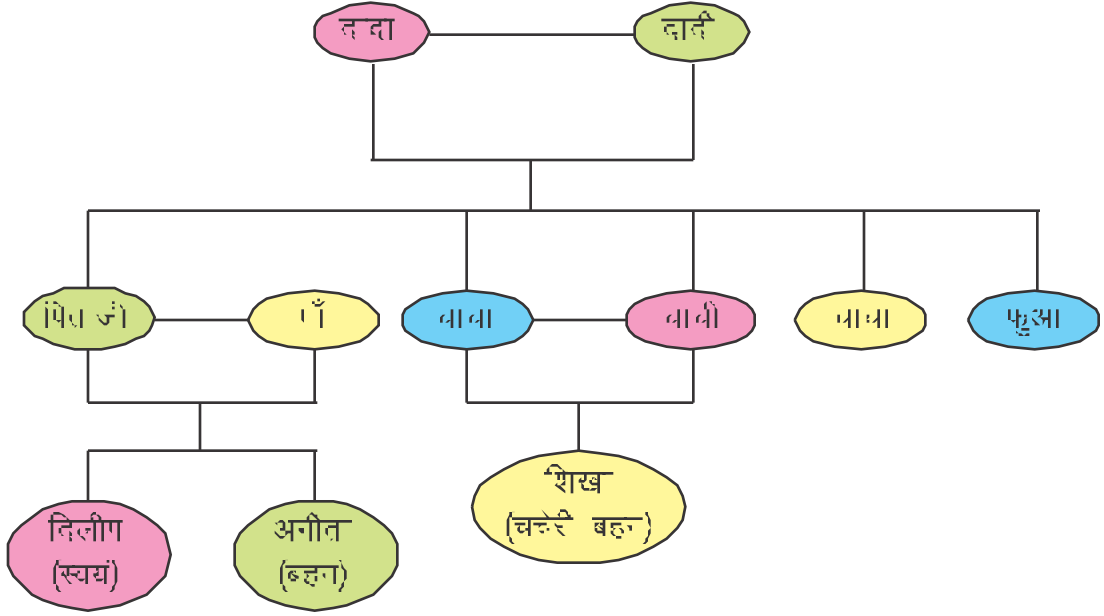
---

11- ulpsdh rkfydk eadN dke fy [ksx, g&tksvki ?kj ij djrsg&buea  
vkj dke t&MarFlk ; g fy [ksfd ; g dke vki dksfd l usfl [kk; kA

Øal a	dk; l	fl [kuokyk	Øal a	d	k ;	l
1.	कपड़े पहनाएँ।।		6.			
2.	बाल झाड़ो।।		7.			
3.			8.			
4.			9.			
5.			10.			



## दिलीप का परिवार



12. दिलीप ने अपने परिवार की यह वंशावली बनाई है इसी तरह आज भी अपने परिवार के सदस्यों के नाम चाहें वंशावली बनाइए

oákkoyh eavki usn[kk fd nkn&nkh I sd9 si fjokj c<rk gA ekrk&fi rkj  
pkpk&pkph] Hkb&cgu] Qvk&QDk vkfn ifjokj ds I nL; k dh I d; k  
ekhj&/khjsc<rh tkrhgA I c I nL; feydj , d ifjokj cukrsgA

एक परिवार के सदस्यों में कई समानताएँ भी पायी जाती हैं। दिलीप को याद आया उसकी दादी अक्सर कहा करती है कि वह अपने दादा जैसा लंबा है। बाल संवारने के समय सुनीता माँ से कहती है— माँ मेरे बाल तुम्हारे जैसे ही लंबे हैं।

13- vki i rk dlft , vki dh dk&l h pht ifjokj dsfdl I nL; I sfeyrh  
gA

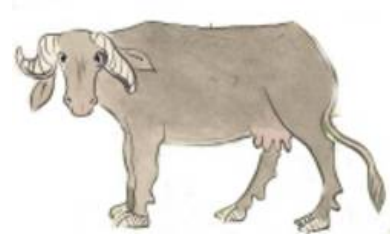
आवाज़ \_\_\_\_\_  
आँख \_\_\_\_\_  
नाक \_\_\_\_\_  
बाल \_\_\_\_\_  
रंग \_\_\_\_\_

CCC

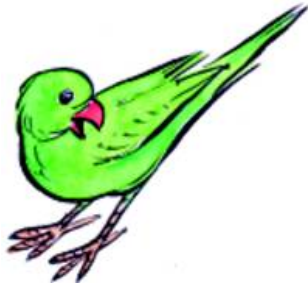
## जीव-जन्तुओं की दुनिया

if<+ vltj igfy; kads gy fyf[k, &

काली लाली मैं नतवाली,  
करती रहती हूँ जुगाली।



हरे-हरे हैं मेरे पंख,  
लाल मेरी चोंच का रंग



टेढ़ा-मेढ़ा चलता हूँ,  
झाड़-बिल में रहता हूँ।



गोल-गोल मैं जाल बनाती,  
छोटे जीवों को उलझाती।



vè; ki d fun k& शिक्षक बच्चों के साथ मिलकर इस तरह की अन्य पहेलियाँ बनाएँ।

vc crkb, %

1- vki viusvkl & ikl ik; stkusokystho&tUrqkadh I ph cukb, A 1/2 ds  
varxr i 'kq if{k; k dhM&edkM} dhV&i raxl Hh dls' kfey dhft , A½

-----

-----

-----



2- vki rkykc fdukjstkdj nŕ[k, fd ogk dŕ&dŕ I stho&tUrqgA  
mudsuke fyf[k, A

-----

-----

-----

3- vki vkl ikl dso{kaij nŕ[k, A mu ij jguokystho&tUrqkadsuke  
fyf[k, A

-----

-----

-----

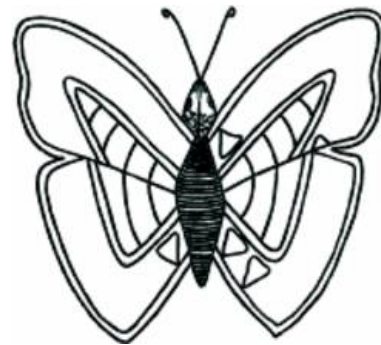
4- vki vi us?kj dsvnj vkj dejkæaik; stkusokysthokædlsnf[k, vkj mudsuke fyf[k, A

5 (क) यह मकड़ी का घर है। इस ध्यान से देखिए और बर्न कीजिए कि यह अपना घर कैसे बनाती है?



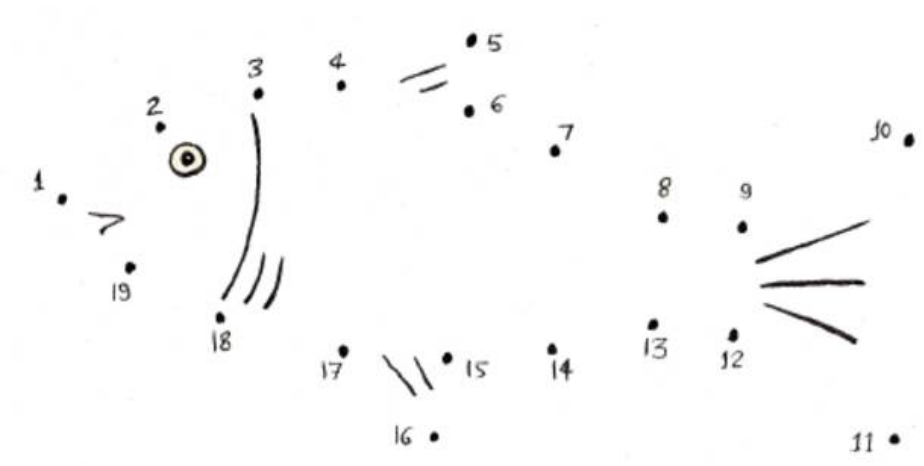
(ख) मकड़ी ऐसा घर क्या बनाती है?

6. रंग-बिरंगी तितली रानी,  
करती है अपनी मनमानी,  
फूलों पर मँडराती है,  
हाथ कभी न आती है।



vki bl esjæ Hkj, A crkb, fd vki usdk&dk I sjææokyh frrfy; k  
n[khg

7- fclnq1 l s19 dksfeykb, vksj cuusokyh vkñfr eaj x hkfj , A



8- vki vius?kj dsvkl &ikl utj nkMkb, vksj crkb, fd dks&dks l s tkvoj , oai {h dksge i kyrsga

9- , d sthokadk uke fyf[k, ftudh i jn gkrh ga

-----

-----

-----

10- , d sthokadk uke fyf[k,] tksNMusi j dksVrsga

-----

-----

11- vllh rd vki cgr l kjsthokedsckjseatku ppsgñ dku&l k tho fdl  
rjg , d txg l snljh txg tkrkgñ fyf[k, A

Ø-l a	pydj	mMdj	rfdj	Qpddj	jædj
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					

12- gj tho&tUrqdk Hkstu vvx&vyx gkrk gñ mudsHkstu dsvk/kj ij  
mudsuke fyf[k, A

tkekl [krsgñ	tkekl ugha [krsgñ

tkstho ekl [krsgñ ml sekl kgkjh dgrsgñ rFkk tkstho ekl  
ughal[krsgñ ml s'kkdkgkjh dgrsgñ 'kkdkgkjh tho i M&i kkal s  
vi uk Hkstu i klr djrsgñ



crkb, &

13- Åi j dsfp=kæaD; k&D; k gksjgk gÅ

14- tUrqkædsuke fyf[k, A

(i) चार पैर वाले पाँच जनावर

(ii) वा पैर वाले ती॰ जीव



(iii) बिना पेर वाले तीन जीव \_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

(iv) जुगाली करने वाले चार जानवर \_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

(v) तीन ऐसे जीव जो जीम से जानी पीते हैं \_\_\_\_\_

(vi) तीन ऐसे जीव जो अन्नी जीम से भोजन पकड़ते हैं

### 15- बि oxzi gyh eaukstholadsuke Njsgg g [kkt, vkj fyf[k, %

ब	बं	ह	गा	छ
क	द	थी	य	र
री	र	शे	र	गो
रु	ट	म	ल	श
सि	या	र	ग	धा

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

crkb, &

(i) इनमें सबसे बड़ा जीव कौन है? \_\_\_\_\_

(ii) इनमें सबसे छोटा जीव कौन है? \_\_\_\_\_

**वे; kid funk %** विषय वस्तु की समझ अभ्यास के माध्यम से बच्चों से हल करवाना है। बच्चे आस-पास के बहुत से जीव-जन्तुओं से परिचित हैं। जिस जीव-जन्तुओं से परिचित नहीं है, आस-पास ले जाकर चार्ट के माध्यम से परिचित करायेंगे तथा वर्गीकरण भी करायेंगे। विषय वस्तु की समझ अभ्यास में अन्तर्निहित है।

CCC

## रंग-बिरंगे पंख

एक दिन की बात है। गौतम नदी के किनारे अपने दोस्तों के साथ टहल रहा था। उसने वहाँ नीलकंठ को पेड़ पर बैठे हुए देखा, जो अपनी चोंच से अपने पंखों को सहला रही थी। पंखों को सहलाने में कुछ पंख उसके शरीर से झड़कर नीचे गिर गये। गौतम ने उसे उठा लिया। इधर-उधर बहुत सारे अन्य पक्षियों के पंख भी गिरे हुए थे। गौतम और उसके दोस्तों ने पंखों को चुन लिया।

1- crkb, fd ogkfdu&fdu i f{k; k&dsi f{k gksl drsg



2- bu i f{k&dsi gpkfu, v{kj bu i f{k; k&dsckjseatkstkursg&fyf[k, A

गौतम और उसके दोस्त सुन्दर रंग—बिरंगे पंख पाकर बड़े खुश हुए।

अहमद ने कहा— 'इन पंखों को अपनी कक्षा में सजायेंगे।'

मोहन प्रसन्न होते हुए बोला— 'बड़ा मजा आएगा।'

साथियों के साथ चुपचाप बैठा श्याम भी कुछ सोच रहा था। चिड़िया आखिर खाती क्या होगी? क्या वह अपना घर आसमान में बनाती है? यदि नहीं तो फिर कहाँ?

श्याम ने दोस्तों से इन बातों की जानकारी लेनी चाही। सभी ने इन्हें पता लगाने का निश्चय किया।

### 3- i rk dlft , fd dk&l si {h D; k&D; k [kkrs&vlfj dgk jgrs&

Ø-I a	i {h dk uke	D; k [kkrs&	dgk jgrs&
1.	गौरैया	चावल, गेहूँ, कीड़े	पेड़ पर
2.			
3.			
4.			
5.			
6.			
7.			
8.			
9.			
10.			

राधिका एक पक्षी के घोंसले को बड़े ही ध्यान से देख रही थी। वह बोली— “देखो, देखो, यह घोंसला कितना सुन्दर है।”



#### 4- राधिका, दादाजी के घोंसले को देखकर खुश हो गई।

राकेश बोला— “मेरे घर में एक गौरैया ने छप्पर में घोंसला बना लिया है। उसके दो छोटे-छोटे बच्चे भी उसमें हैं। गौरैया रोज़ अपने बच्चे को चोंच से दाना खिलाती है।”

इतना सुनकर उषा कहाँ चुप रहनेवाली थी। वह बोली— “दादाजी ने कल ही तो छत पर मिट्टी के बर्तन में पानी रखा था। उन्होंने चावल का दाना भी छत पर बिखेरा था। थोड़ी देर बाद छत पर बहुत सारी गौरैया और कबूतर आ गए। माँ ने छत पर किसी को भी जाने नहीं दिया। चिड़िया आराम से दाना चुगती रही।”



बात करते-करते शाम होने लगी थी। चिड़ियाँ अपने घोंसले में लौटने लगी। गौतम भी अपने दोस्तों के साथ रंग-बिरंगे पंख लेकर घर लौट आया।

5- D; k vki usdHh i f{k; kadksnkuk&i kuh fn; k g\$

6- vki viusvkl ikl dsif{k; kadksnf{k, vkj irk dhft, fd osvius  
cPpkadksnkuk&i kuh d\$ snrsg\$ vki f'k{k d vkj viuscMkadhenn ys  
l drsg\$



-----  
-----  
-----

7- ulps fy[ks i f{k; ka t\$ h vkokt+ fudkfy, vkj bl rkfydk dks ijk  
dhft, A

rkfydk

i f{k; ka ds uke	ckfy; k
egkZ	dqM&d
गौरैया	
कोयल	
कौआ	
रोरा	
मोर	
इराख	
कबूतर	

8- dN i {h vki dsbykdseanj I svkdj dN I e; dsfy, BgjrsgA vi us f'k{k d I si iNdj mudsuke fyf[k, A

9- vi us nknkth ;k xkp ds fdl h c{t{xZ I s iNdj i rk yxkb, fd d{k&d{k I si {h muds I e; eacgr vf/kd Fsyfdu vkt dy de ;k ughafn [kykbZ i MrsgA

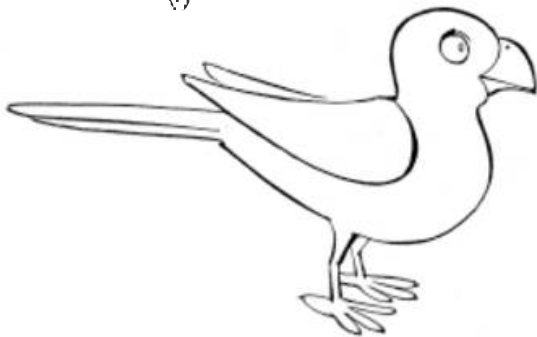
-----  
-----

10- bl sigpkfu, rFkk bl dsl æk earhu&pkj okD; fyf[k, A

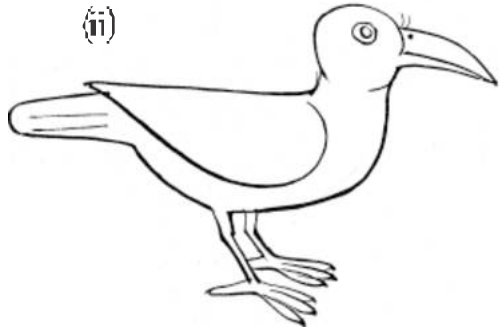


11- bu fp=kæajx Hkj , vkj budsckjseavki D;k tkursg fyf[k, A

(i)



-----  
-----  
-----

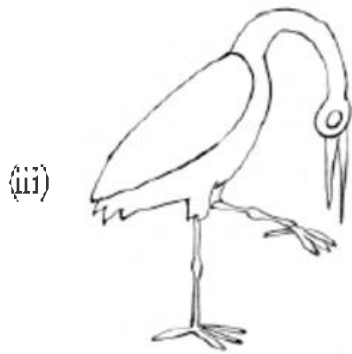


---

---

---

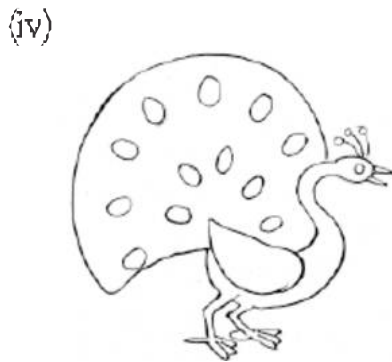
---



---

---

---



---

---

---

---

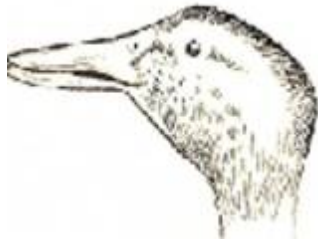
---

12- vki p~~kp~~ dsvk/kj ij i {k dksigpkfu, v~~kj~~ mudsuke fyf[k, A



-----

-----



-----

-----



-----

-----

13- vki fofhku rjg dsif{k; k~~dsi~~ ~~q~~k bdVBk dlft , v~~kj~~ vi usf'k{k d~~h~~  
enn I spkVZ ij fpi dk dj d{k eayVdkb, A i ~~q~~k~~dsu~~hps i f{k; k~~ck~~  
uke Hk~~h~~ fyf[k, A

CCC



## पेड़-पौधों से दोस्ती



यह मुन्नी के घर के पासवाला बगीचा है। कितना सुन्दर बगीचा है। रंग-बिरंगे फूल खिले हैं। हरी-भरी घास दिखाई दे रही है।

- 1- vki us Hh cxhpla ea ; k vi us vkl & i kl fofHJu rjg ds i M&i&Kka dks n[kk gkxkj mudsuke fyf[k, A
-

- 2- dŃ i M&i KŃkads ruscgŃ etcŃr gkrsgŃ tcf dŃ i M&i KŃkads rus dkeyA viuh l ph l setcŃr vŃj dkey rusokysi M&i KŃkadsuke NŃV dj fyf[k, A

Ø-l a	etcŃr rusokys	dkey rusokys
1.		
2.		
3.		
4.		

- 3- dŃ i M&i KŃkscgŃr yæ&yæsgkrsgŃrks dŃ vr; Ur NŃVA vki viuh ÅpkŃz dsvk/kj ij vius l scgŃr yæŃ viuscjkj vŃj vius l scgŃr NŃV/si KŃkadsNŃV dj fyf[k, A

Ø-l a	i M&i KŃkstks vki l syæ	i M&i KŃkstks vki dscjkj	i M&i KŃkstks vki l sNŃV/s
1.			
2.			
3.			

- 4- vki usftu i M&i KŃkad h l ph cukŃz gŃmueal sfdue&fdu i M&i KŃkads Qy ge [krsgŃvŃj fdudsughŃ rkydk eŃkfj, &

Ø-l a	Qy [krsgŃ	Qy ughŃ[kkrsgŃ
1.		
2.		
3.		
4.		

5- vki viuh i l Un dsfdl h , d i M+dk Qy l fgr fp= cukdj jx Hkfj , &



### i M+ l snk&rh

मुन्नी को बरगद का पेड़ बहुत अच्छा लगता है। वह उसे अपना दोस्त मानती है। उसकी छाया में बैठकर आराम करती है। उसकी डालियों में झूला झूलती है। कभी-कभी देखकर ऐसा लगता है जैसे वह अपने पेड़ दोस्त से बातें भी करती हैं। वह अक्सर उस पेड़ के नीचे बैठकर कुछ-कुछ सोचा करती है।



6- एक पेड़ का नाम क्या है? इस पेड़ पर फल लगते हैं? इस पेड़ पर कौन-कौन से फूल लगते हैं? किस मौसम में फूल लगते हैं? इसके पत्ते कैसे हैं? अपनी बाँहों में पकड़कर देखिए क्या उसका तना आजकी पकड़ में आ रहा है? तने को छूकर बताइए कैसा है? (साखा है, खुरदुरा है, रंग जैसा है...)

(i) पेड़ का नाम क्या है?

-----

(ii) क्या इस पेड़ पर फल लगते हैं?

-----

(iii) इस पेड़ पर कौन-कौन से फूल लगते हैं?

-----

(iv) किस मौसम में फूल लगते हैं?

(v) इसके पत्ते कैसे हैं?

(vi) अपनी बाँहों में पकड़कर देखिए क्या उसका तना आजकी पकड़ में आ रहा है?

-----

(vii) तने को छूकर बताइए कैसा है? (साखा है, खुरदुरा है, रंग जैसा है...)

(viii) इस पेड़ पर अक्सर कौन-कौन से पक्षी बैठते हैं?

-----



(ix) इस पेड़ से क्या-क्या मिलता है?

7- **bl h i zkj gekjsvkl & i kl Hkh cgr I kjs i M+gñftul sgeacgr dñ  
feyrk gñ I kfp, ] geabudsfy, D; k&D; k djuk pfg, \**

---

---

---

---

8- **; fn i M+uk gkarksD; k gkxk\ I kfk; k&dsI kfk pplz dhft , A**

---

---

---

---

CCC

## पत्ता हूँ मैं हरा-हरा



पत्ता हूँ मैं हरा-हरा  
 बाग-बगीचे में भरा-भरा,  
 कभी डाल पर सजा हुआ,  
 कभी जमीं पर पड़ा हुआ ।

नजर जिधर दौड़ाओगे,  
 मुझे उधर ही पाओगे ।

पत्ता हूँ मैं गोल-गोल,  
 संग हवा के रहता डोल,  
 लम्बे-लम्बे, छोटे-छोटे,  
 कुछ चिकने, कुछ कटे-फटे,  
 धूप लगे मुरझाता हूँ  
 पानी पा इठलाता हूँ ।

पत्ता हूँ मैं बड़े काम का,  
 चाहे पीपल, चाहे आम का,  
 तुलसी है घर का खास,  
 पुदीने से बुझती प्यास ।

बच्चों का यह कहना है ।  
 संग पत्तों के रहना है ।

1- bl dfork esfdu&fdu iÜksadh ckr dh xbZg\$ mudsuke fyf[k,A

2- bl h rjg dscgr I kjs iÜks vki ds vki & ikl Hk ik, tkrsgkx\$ mÜga bdVBk dj dsukeadh I ph culb ,A ;fn uke ughatkursrki rk djus dh dk'k'k dft ,A

-----

-----

-----

रिया अपने साथियों के साथ पत्ते इकट्ठे करने गई। उसने देखा कि पत्ते अलग-अलग दिखते हैं। कोई पत्ता नुकीला है तो कोई गोल है। किसी के किनारे कटे-फटे हैं, तो किसी के बिल्कुल सीधे हैं। उसने एक तालिका बनाकर इन सबके नाम लिखें।

3- vki ustksi ÜksbdVBsfid ; sg\$ vkdkj vlg fdukjdsdvk/kkj i j mudsuke fyf[k,A

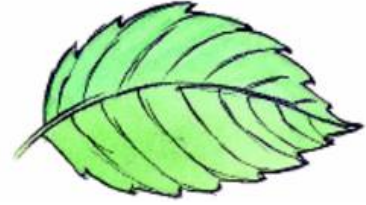


Ø-I a	ukdoky s i Üks	xky i Üks
1.	पीपल	बरगद
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		



4- **dk&dk I si UkadsfdukjsdV&QVsg**

-----  
-----



5- **dk&dk I si UkadsfdukjsdV&QVsuglag**

-----  
-----



6- **uhpsnh xbZ t xg eavi usi I Un dsfdlghanksi Ukadsfp= cuk, A**

--	--

**pyksNki cuk, &**

शालू ने अपने पसन्द के पत्तों में से कुछ के चित्र और कुछ की छाप बनाई। छाप बनाने के लिए उसने सबसे पहले पत्ते को, जिस तरफ उसकी नसें उभरी हुई थीं, एक मेज या जमीन पर रख दिया।

अब हल्के हाथ से कागज पर मोम कलर फेर दिया। पत्ते का चित्र उभरकर आ गया।



7- vki Hkh vi uh dklh evyx&vyx i Ûkadh Nki cukb, A ek dyj u gks  
rksi fUI y dk mi ; kx dj I drsg

8- , j h dks & dks I si Ûksgft lgavki ds?kj ea [kkuseabl rky fd ; k tkrk  
g

-----  
-----

9- [kksdsvykok i Ûkads vj fdl & fdl rjg dsdkekami ; kx fd ; k  
tkrk g

-----  
-----

10- uhpds i Ûkadsuke fn, tk jgsg mudsmi ; kx dsckjseai rk djds  
fyf [k, A

नेहदी ला पत्ता -----

सहजग ला पत्ता

तुलसी ला पत्ता

गेडा का पत्ता -----

नीम का पत्ता -----

केला ला पत्ता -----

## 11- i fUk; kAl stkuoj dk vdkkj cukb,

विभिन्न आकार-प्रकार की पत्तियों को एकत्रित कीजिए। उसके टंडल को निकालकर सूखने दीजिए। चार्ट पेपर पर चिपकाकर जानवर का आकार दीजिए।

आवश्यकतानुसार पत्तियों को काटा भी जा सकता है।



CCC

## तरह-तरह के भोजन

आज मकर संक्रांति है। इला, इरा और इशु सुबह जल्दी ही उठ गए थे। उनके माता-पिता ने मकर संक्रांति के दिन दही-चूड़ा, तिलकुट, तिलवा खाने की तैयारी की थी। इला और इरा की दोस्त सलमा और स्वीटी भी आए हुए थे। सब लोगों ने जम कर दही-चूड़ा और तिलकुट खाया। इरा बोली- “सलमा, तुम्हें याद है ईद के दिन मैंने तुम्हारे यहाँ ढेर सारी सेवइयाँ खाई थी।” इशु ने कहा- “हमलोगों को स्वीटी ने भी क्रिसमस के दिन बहुत सारा केक खिलाया था।” उनकी बातों को सुनकर पिताजी बोले- “हाँ, हम सभी लोग सामान्य दिनों में एक ही जैसा खाना खाते हैं, जबकि पर्व-त्योहार या कुछ खास अवसर पर कुछ खास चीज खाना पसन्द करते हैं।”

### 1- D; k vki ylx crk | drsg fdl vol j ij ge ylx D; k&D; k [krsg\

i oZR; kgkj @fnu	fo'kSk [kluk
मेरु संक्रांति	सत्तू
छठ	
होली	
ईद	
क्रिसमस	
दीपावली	
पूस	
आद्रा नक्षत्र	
शनिवार	

इला बोली— “कुछ-कुछ जगहों के खाने का कुछ सामान बहुत प्रसिद्ध है। सिलाव का खाजा और बाढ़ की लाई को लोग बड़े मजे से खाते हैं।”

2- D; k vki crk | drsg&fd fdl txg dh d&dk | h [kksdh pht a ifl ) g&\

LFku	[kksokyh pht a

बच्चे बात कर ही रहे थे कि माँ बोली— “राज्य के भिन्न-भिन्न हिस्सों में रहने वाले लोग भिन्न-भिन्न तरह का खाना पसन्द करते हैं। भोजपुर की ओर जहाँ लिट्टी-चोखा का प्रचलन है, वहीं मिथिला में लोग दही-चूड़ा खाना पसन्द करते हैं।” हमारे देश के दूसरे राज्य में लोग अलग तरह का खाना बनाते हैं। भारत के दक्षिण राज्य जैसे तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश तथा केरल में लोग इडली-डोसा खाते हैं, “पिताजी ने कहा। माँ बोली— केरल में लोग भोजन बनाने में नारियल तेल का उपयोग करते हैं, क्योंकि वहाँ बहुत सारे नारियल के पेड़ हैं।

3- vki v& vki dsi fjokj dsy&x Hkstu esd&dk | h pht a [krs&\

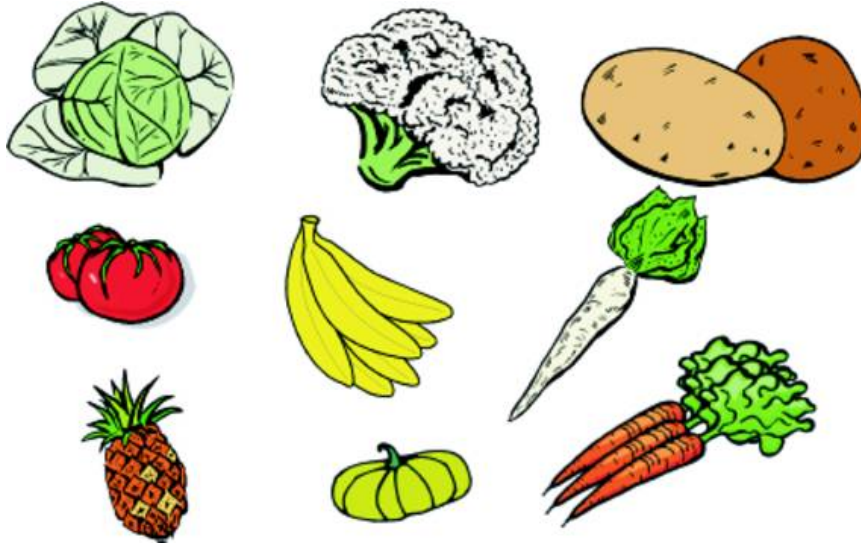
_____	_____	_____
_____	_____	_____
_____	_____	_____
_____	_____	_____

4- fi Nys i "B ij vki us tks [kus dh phtafy [kh gš bueadk&dk& I h phtatUrq&ka l s feyrhgsvkj dk&dk& I h i M&i k&ka l s

tho&tUrq&ka l s	i M&i k&ka l s

5- vxj i M&i k&ks; k tho&tUrqu gk&ksgekj k D; k gk&ka l s

इला बोली- "कितनी मजेदार है खाने-पीने की बातें। किसी पेड़ का हम फल खाते हैं तो किसी का फूल। किसी पौधे की जड़ तो किसी का तना। किसी-किसी पौधे की तो सिर्फ पत्तियाँ ही खाई जाती हैं। कुछ पौधों के तो कई हिस्से खाये जाते हैं।



6- D;ka u ge ,d I ph cuk,; ft I I s i rk pys fd fdu&fdu i kks dk dksu&l k Hkkx geykx [kkrsg

[kks okyh pht a	i M&i kks dk uke
फल	
फूल	
पत्तियाँ	
जड़	
ता।	

सलमा बोली— “हाँ, जीव-जन्तु भी तो हमें कई तरह का भोजन देते हैं। हम किसी का दूध पीते हैं तो किसी का माँस खाते हैं। किसी जीव का अंडा और माँस दोनों खाते हैं तो किसी जीव के माँस और दूध दोनों का खाने में उपयोग करते हैं।”

7- fd I tho&tUrqdsfd I pht dk [kuseami ; kx dj rsg b I dh Hkh I ph cukb, A

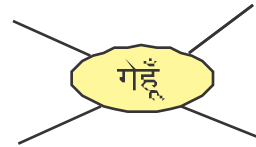
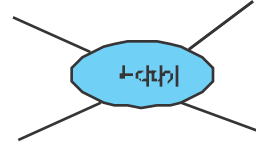
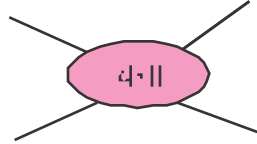
[kks okyh pht a	tho&tUrq/ka dsuke
दूध	
अंडा	
मंरा	

इशु के पिताजी ने कुछ अनाजों का नाम लिया, जिनका उपयोग हम मुख्य भोजन के रूप में करते हैं। ऐसे अनाज जिनका उपयोग खाने में हमारे द्वारा सबसे ज्यादा किया जाता है, उसके चारों ओर घेरा लगाइए।

बादल      गेहूँ      ज्वार      बाजरा  
मक्का      वना      जो      रागी

“पिताजी एक ही अनाज से कई सारी खाने की चीजें बनती हैं” –इला बोली। चावल से हम लोग खीर भी बनाते हैं, तो खिचड़ी भी।

8- **उपरोक्त वक्तव्य में, खाने की चीजें लिखें।**



पिताजी ने एक कहानी सुनाई— भारत में एक समय शाहजहाँ का राज था। पारिवारिक झगड़े के कारण उसके पुत्र औरंगजेब ने उसे जेल में बन्द कर दिया तथा बोला कि तुम्हें सिर्फ एक ही अनाज या उससे बनी वस्तुएँ खाने को मिलेगी। राजा के सामने बड़ी उलझन खड़ी हो गई। एक तो बेटे ने राज-पाट छीन लिया, दूसरे खाने पर भी पाबन्दी लगा दी। उसने सोचना शुरू किया। सोचते-सोचते उसने एक अनाज का नाम लिया जिससे सब्जी, मिठाई, रोटी आदि कई चीजें बन सकती थीं। क्या आप लोग बता सकते हैं कि राजा ने किस अनाज का नाम लिया होगा।

CCC

## कुछ कच्चा कुछ पका हुआ

बच्चे आपस में बातचीत कर रहे थे। इला बोली— “मुझे खाने पर एक खेल सूझा है। आओ हम सब खेलें। हम लोग पहले गोल घेरे में बैठ जाएँ और अपने दायें हाथ की एक अंगुली को अपने सामने जमीन पर रखें। अब मैं कोई एक सामान का नाम बोलूँगी। अगर वह खाने का सामान होगा तो आप सभी लोग हाथ उठाकर कहेंगे कि खूब खाएँगे।” इशु ने पूछा— “अगर तुमने किसी खाने वाला सामान का नाम नहीं लिया तो हम क्या करेंगे?” इला बोली— “तब हम हाथ से नहीं का इशारा करते हुए जोर से बोलेंगे, नहीं खाएँगे। लेकिन एक बात का ध्यान रखना कि उलटा-पुलटा बोलने वालों या गलती करने वालों को एक गाना सुनाना पड़ेगा।”



सब लोग खेल ही रहे थे कि सोनी बुआ की बिटिया के रोने की आवाज आई। “अरे-अरे भूख लगी है, चलो मैं तुम्हें दूध पिला दूँ” — बुआ ने कहा — “हाँ-हाँ यह भी दादी की ही तरह है” — इशु ने कहा — “दादी तो दूध के अलावा थोड़ा बहुत दही, हलवा, भात भी खाती है। यह तो सिर्फ दूध ही पीती है। माँ और पिताजी तो सब कुछ खाते हैं” — इला बोली — अच्छा बताइए तो कौन लोग क्या-क्या खाते हैं, क्या-क्या नहीं खाते हैं?





8- dks | cl sde [krk gS

9- dN ylx T; knk [krsgvks] dN ylx de [krsg] D; k

सचमुच खाना हमारे जीवन के लिए बहुत जरूरी है – इला बोली। इशु ने कहा— कई चीजें तो हम कच्ची ही खाते हैं तो कई चीजों को खाने के लिए पकाना पड़ता है। और कई सारी चीजें कच्ची-पक्की दोनों स्थिति में खाई जाती हैं।

10- crkb, dks&l h pht fdl fLFkr ea[kkztkrh gS

dPph [k; h t kus okyh pht a	i dh gpZ [kkzt kus okyh pht a	dPph vks i dkj nkskr jg I s[kkzt kusokyh pht a

11- Åij dh l ph l sirk pyr k gSfd dN phtaviusvki id tkrh gsvks  
dN phtkads vlx I si dkuk i Mrk gS D; k vki ylx viusvki idus  
okyh , oai dkj [kkzt kusokyh phtkadsuke vvx&vyx fy[k l drs  
gS

vi us vki i dusokyh pht	vkx l si dkdj [kkz tkusokyh pht a

12- dkkz , d [kkus dh pht tks vki dks l cl svPNh yxrh g\$ ml s vi us  
ekrk&fi rk dh l gk; rk l scukusdh dk'k'k dhft , A vki dksml scukus  
dsfy, D; k&D; k djuk i M&kj fyf[k, &  
[kkusdh pht dk uke %

बनाने के लिए क्या-क्या करना पड़ेगा-

1. \_\_\_\_\_
2. \_\_\_\_\_
3. \_\_\_\_\_
4. \_\_\_\_\_
5. \_\_\_\_\_

13- ge ylx tkursg&fd [kkuk cukusdsfy, cgr l kjsdke djusi Mrsg&  
rFk l e; Hkh [kx yxrk g& vPNk crkb,] gekjs?kj&ea [kkuk cukus; k  
[kkuk cukusl st&svl; dke dki&dki ylx dj rsg&

Ø-l a	dke	dku djrk g&
1.	सब्जी लाना	
2.	राब्जी कटना	
3.	मस ला पीसना	
4.	सब्जी बनाना	
5.	गेहूँ राफ करना	
6.	गेहूँ पीसवाना	
7.	आटा गूँधना	
8.	रेटी बनाना	



## पकायेंगे-खायेंगे

हम सभी लोग अपने-अपने खानों को अलग-अलग तरीकों से पकाते हैं। कुछ को भून कर तो कुछ को उबालकर, कुछ को सेक कर तो कुछ को तल कर।

### 1- fdl rjhdsi sdk&l k [kuk curk g} bl srkfydk dsvud kj fyf[k, A

i dkus dk rjhdk	[kuk dk l keku		
भून कर			
तल कर			
उबाल कर			
सेक कर			

### 2- D; k fdl hvU; rjhdsi sdN [kusk dk l keku i d l drk g

हम लोग अनेकों तरह से खाना बनाते हैं। खाना बनाने के लिए हमें कई तरह के बर्तनों का उपयोग करना पड़ता है।

### 3- ulpsdh oxz i gyh eadN crZkadsuke fN isgg g}ftudk mi ; kx ge ykx [kuk cukuseadj rsg} budsuke <k-dj fyf[k, A

प्रे	श	र	कू	क	र	.....	.....
क	इं	क	ल	छु	ल	.....	.....
ड़ा	इ	ता	के	ता	ली	.....	.....
ही	रा	वा	क	दौ	ती	.....	.....
त	ल	ला	छे	ल	नी		

- 4- gekjs?kjkaea[kuk [kusdsfy, vusd crŁkadk mi ; lř fd; k tkrk gř  
budsuke uhpscuh rkfydk eafyf [k, A

rkfydk


- 5- [kuk idkus dsfy, ik;% gea tykou ½řku½ dh t: jr iMřh gř  
tykou dsfy, ge yř fdI pht dk mi ; lř djrsgř

-----	-----	-----
-----	-----	-----
-----	-----	-----
-----	-----	-----

- 6- vkxsfn, x, fp= dksnf[k, ml eadbzrjg dspřgsvkj mudstyku  
½řku½fn[k jgsgř vyx&vyx rjg dspřgřeavyx&vyx rjg ds  
tykou ½řku½ dk mi ; lř fd; k tkrk gř D;k vki fp= eafn[kk;s  
tykou ½řku½l smu přgřadsfp= I sfeyku dj I drsgřftueamudk  
mi ; lř gkrk gř



7- D; k I k; Å t k I s h k s t u i d k; k t k I d r k g S

8- D; k v k i y l x t k u r s g s f d g e k j h n f u; k e a, s k d k b z b z k u u g h a g s t k s  
 d h k h [ k R e u g h a g k s k A ; g v k o ' ; d g s f d g e y l x t y k o u 1/2 d k  
 m i ; l x v k o ' ; d r k d s v u d k j g h d j A t y k o u d k s c c k h d j u s I s g e a  
 c p u k p k f g, A v x j n f u; k I s t y k o u 1/2 [ k R e g l s t k, r k s D; k g l x k \\  
 p p k z d h f t, A

CCC

## घर को जानें

जब हम किसी गाँव या शहर में जाते हैं तो हमें अलग-अलग तरह के घर दिखाई देते हैं। कुछ घर छोटे होते हैं तो कुछ बड़े। कुछ बहुत ऊँचे होते हैं तो कुछ कम ऊँचे। कुछ पक्के बने होते हैं तो कुछ कच्चे। आपके गाँव या शहर में भी कई तरह के घर होते हैं।

नीचे कुछ घरों के चित्र दिये गये हैं, इन्हें देखिए।





ऐसे और अन्य प्रकार के घर भी आपने देखे होंगे। आपके मोहल्ले / गाँव / शहर में भी कई तरह के घर होंगे। ये घर अलग-अलग सामग्री से बने होते हैं। सामग्री में लकड़ी है, भूसा है, घास है, मिट्टी है, ईंट है और भी कई अन्य चीजें हैं।

1-(i) **vkl & ikl | si rk dj ds edkuk dks cukuseay xuskyh | kexh dh | ph  
cuk, A**

-----

-----

-----

(ii) **bueal scku&dks | h | kexh xkp d@ekyYsdsckgj | svkrh gA**

-----

-----

2- **vki viusvkl & ikl dsdN ?kjkdsp= cukb, vls muesjx Hfj, A**

### 3- वि सु?कज दसकसेअकह फ्यf[k, A

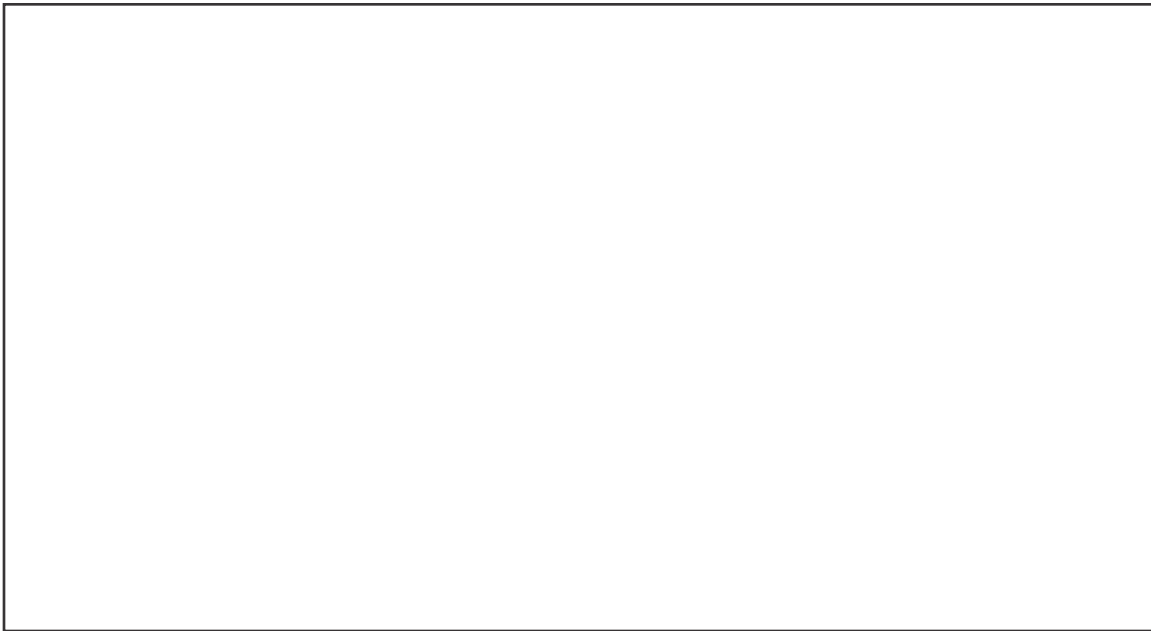
(i) आपके घर में कितने कमरे हैं?  
\_\_\_\_\_

(ii) दीवारें किससे बनी हैं?  
\_\_\_\_\_

(iii) छत किससे बनी है?  
\_\_\_\_\_

(iv) दरवाजा किससे बना है?  
\_\_\_\_\_

### ejs ?kj dk fp=



### 4- ulpscuh oxZi gsyh ea?kj cukuseayxuo kyh pht kods<f<+ vlkj mudsuke fyf[k, A

वाँ	स	ल	क	की
इ	इएँ	र	एँ	प
कौँ	इएँ	ल	ए	रु
य	की	ए	र	ए

## 5- दलु गलु कल सुवुल

- (i) ईत, सीमेंट, लकड़ी, गदू  
सबसे अलग है
- (ii) दीवार, फर्श, छत, रंगोली  
सबसे अलग है
- (iii) खिड़की, चौखट, पल्ला, छिटकनी  
----- सबसे अलग है
- (iv) चूना, पानी, सीमेंट, पेंट (रंग)  
----- सबसे अलग है

## 6- वुखु गेकुस?कुकेरु; सु गकरुड; क गकुल

(i) खिड़की न हो तो

(ii) दरवाजा न हो तो

(iii) रोशनदान न हो तो

---

(iv) छत न हो तो

---

## 7- ड; क वकु सुदलुहलु ल कुक गसुद ; फन ?कु उगुहगुक रकुसेरुड; क&ड; क ल ल; क, ज गुकुलु पुकुडुलुत, उ फुलुक, अ

---

---

---

---

---

## दिन दिन

- अपने आसपास के बुजुर्गों से पता कीजिए कि जब वे बच्चे थे तब किस तरह के घरों में रहते थे और वे किसके बने होते थे?
- कई तरह के घरों के चित्र इकट्ठे कीजिए या उनके चित्र बनाइए। चित्रों से एक सुन्दर चार्ट बनाइए। कक्षा में उसे सजाइए।
- माचिस की खाली डिब्बियाँ, गत्ते के डिब्बे, रंगीन कागज इत्यादि इकट्ठे कीजिए। इन्हें चिपका-चिपकाकर घर का मॉडल तैयार कीजिए और अपनी पसंद के रंग भरिए।

CCC

## दीपावली की तैयारी



सभी घरों में चहल-पहल है। सब अपने-अपने घर की साफ-सफाई में लगे हैं। दीपावली में अब दो दिन ही बचे हैं।

सुखदा और संजय अपने पड़ोस के दोस्तों से घरोंदा सजाने और पटाखों की बात कर रहे हैं।

तभी माँ ने कहा— तुम लोग भी अपनी पढ़ाई की मेज तथा किताबों की आलमारी की सफाई कर लो।

दोनों दौड़कर घर में आ गए और पढ़ाई की मेज तथा किताब की आलमारी की सफाई की। पुरानी कॉपियाँ-किताबें, खराब हो गए कलम आदि को हटाया। माँ ने उन्हें पुरानी और बेकार चीजों को आँगन में एक जगह इकट्ठा करने को कहा।

घर के अन्य कमरों की सफाई में भी सुखदा और संजय ने हाथ बँटाया।

संजय ने चाचाजी के साथ मिलकर दादाजी के कमरे की सफाई की। सुखदा ने मेज पर नया कपड़ा बिछाया। पुराने अखबार, चिट्ठियों के लिफाफे, दवा की खाली बोतलें और डिब्बों को बाहर इकट्ठा किया।

- L आप घर की सफाई में किस प्रकार सहयोग करते हैं?
- L आपके घर की सफाई के दौरान किस-किस प्रकार का कचरा निकलता है?
- L क्या उस कचरे में से कोई ऐसी भी चीज मिलती है जिसका दुबारा उपयोग किया जा सकता है?
- L क्या कुछ कचरा कबाड़ीवाला भी ले जाता है? वह कचरे को कैसे छँटता है?

### /ki | sl hyu Hxkuk %

माँ रसोई-घर की सफाई में लगी है। उन्होंने सुखदा को पुकारा और डिब्बों को खोलकर बाहर धूप में रखने को कहा। डिब्बों में मसाले और कुछ खाने के सामान रखे थे। सुखदा को कुछ डिब्बों से खराब गंध आई।

माँ ने बताया बरसात के दिनों में खाने-पीने की चीजें अक्सर खराब हो जाती हैं। उनको धूप लगाने की जरूरत होती है और देखो, सफाई के बाद हमारा रसोईघर अच्छा लग रहा है।

दोनों ने देखा पिताजी जाड़ों में ओढ़नेवाले कंबल, रजाई को धूप में फैला रहे हैं। वे भी छत पर जाने लगे तो माँ ने कहा बच्चों, ये गरम कपड़े लेते जाओ इन्हें धूप में फैला देना। सुखदा और संजय स्वेटर, कोट, मफलर, टोपी और माँ के शॉल धूप में ले जाकर फैलाने लगे। कपड़ों से सिलन की गंध आ रही है। कपड़े फैलाने के बाद संजय छत से दौड़ता हुआ दरवाजे पर आ गया। उसने देखा दादाजी और चाचाजी फूल की क्यारियों और गमलों को साफ कर रहे हैं।

दादाजी ने संजय को गमलों में पानी डालने को कहा। संजय पौधों में पानी डालने लगा।

शाम को घर के सभी सदस्य दादाजी के कमरे में इकट्ठे हुए। पिताजी ने माँ और दादीजी से पूछ कर बाजार से लानेवाले सामानों की सूची बनाई। सुखदा और संजय ने भी

अपने लिए फुलझड़ियों और पटाखों के नाम लिखवा दिए। दोनों ने भी पिताजी के साथ बाजार जाने की बात कही। इस पर पिताजी ने कहा – “बाजार में दीपावली के अवसर पर भीड़ रहती है, तुम्हें साथ-साथ चलना होगा।”

बच्चों ने कहा— हमें ले चलिए, हम साथ-साथ चलेंगे।

फिर सब लोग सोने चले गए।

सुबह संजय और सुखदा जल्दी ही नहा-धोकर तैयार हो गए। वे पिताजी के साथ बाजार जाने की प्रतीक्षा में थे।

बच्चों जल्दी चलो बाहर लगे रिक्शे पर बैठो। मैं थैला लेकर आता हूँ – पिताजी ने कहा।

बाहर रिक्शे के साथ करीम चाचा खड़े थे। बच्चों ने कहा— अरे करीम चाचा आप! आप तो हमें रोजाना स्कूल ले जाते हैं। आज कैसे आना हुआ?

हाँ बच्चों, आज मैं तुम्हें बाजार ले चलूँगा। बाजार में बहुत भीड़ है। तुम लोग इधर-उधर मत जाना— करीम चाचा बोले।

कुछ ही देर में वे बाजार पहुँच गए। उन्होंने देखा आज बाजार में बड़ी रौनक है। दीपावली के अवसर पर दुकानों की भी सफाई, रंगाई हुई है। रंग-बिरंगे फूलों से दुकानें सजायी गयी। कपड़े, मिठाइयों की दुकानों पर भीड़ है। लोग घर को सजाने के फूल, पत्ते, झालर मोमबत्तियों आदि की खरीददारी कर रहे हैं।

पिताजी ने बाजार से सामान खरीदा और उन्हें लाकर रिक्शे में रख दिया। पिताजी हमें मिठाई की दुकान पर ले गए। हमने मिठाइयाँ और कुछ नमकीन खायी और घर के लिए भी लिए।



- L दीपावली के दिन बाजार कैसा दिखता है?
- L आप बाजार से कौन-कौन सी चीजें खरीदते हैं?
- L दीपावली के दिन क्या आपके घर पर भी मिठाई बनती है? मिठाई कौन बनाता है तथा कौन-कौन सहयोग करता है?

करीम चाचा ने सभी सामानों को ठीक से रिक्शे में रखा। हमारा रिक्शा घर की ओर चल पड़ा। तभी सुखदा और संजय को जोर की उबकाई आने लगी। दोनों ने देखा सड़क के किनारे कचरे का ढेर पड़ा है।

देखो संजय सड़क पर कितना कचरा पड़ा है—सुखदा बोली।

हाँ दीदी, सभी ने अपने घरों तथा दुकानों से निकला कचरा यहाँ लाकर फेंक दिया है—संजय ने कहा।



- L आप घर से निकले कचरे को कहाँ फेंकते हैं? इसे कहाँ फेंकना चाहिए?
- L कचरे से दुर्गन्ध क्यों आती है?
- L आप बाजार में किस-किस प्रकार का कचरा देखते हैं?





घर लौटने पर दोनों ने देखा कि माँ तुलसी के चबुतरे के पास जमीन पर रंगोली बना रही है। रंगोली बहुत सुंदर दिख रही है। सुखदा को भी माँ के साथ रंगोली बनाने में बड़ा मजा आया। तभी सुखदा ने देखा— दादीजी रूई से बाती बना रही थीं। उन्होंने कहा शाम को इनसे दीए सँजोएँगे। सुखदा बोली— “मैं भी बाती बनाऊँगी।”

दादीजी ने सुखदा से कहा— ‘हाँ बना लेना, लेकिन पहले जरा रसोईघर से तीन-चार कटोरियों में चावल तो ले आओ। जब वह चावल लाई तो दादीजी ने उन्हें लाल, पीले एवं हरे रंग से रंगने को कहा। रंगे चावलों को पसारने में सुखदा और संजय को बहुत मजा आया। उनके हाथ भी रंगीन हो गए। दोनों ने माँ के साथ मिलकर रंगीन चावल को रंगोली में सजाया।

**L** आपके घर बाती कौन बनाता है?

**L** बाती बनाने में कौन-कौन सहयोग करता है?

संजय ने कहा— चलो दीदी, हम गुल्लू के घर चलते हैं। गुल्लू का घर साफ-सुथरा लग रहा है। उसकी माँ ने दीवारों पर आकर्षक चित्रकारी भी की। संजय की नज़र गुल्लू के आँगन में खड़े गाय और बछड़े पर पड़ी।

संजय ने पूछा— अरे गाय और बछड़े की पीठ और पेट पर किसने लाल-हरे रंग की चित्रकारी की है?

पिताजी ने, गुल्लू बोला। हम सभी ने मिलकर गाय के घर की सफाई की, उसे नहलाया। पिताजी ने उसके सींग पर तेल भी लगाया।

### vkj vc nhikoyheukuk %

शाम होने को है। सुखदा और संजय ने गुल्लू को अपने घर मिटाई खाने बुलाया और दोनों घर आ गए। चाचाजी छत पर, एक लंबे डंडे के ऊपर आकाशदीप बाँध रहे हैं। सभी ने नये कपड़े पहने हैं। गोधूलिवेला में हम सभी ने दीपों को सजाया। माँ ने पूजा घर और आँगन में तुलसी के पास दीपक जलाया। फिर सभी ने मिलकर छत, बरामदे, चहारदीवारी पर कतार में दीए जलाए। गणेश-लक्ष्मी की पूजा के बाद हमें प्रसाद मिला।

दीदी चलो, हम पटाखे चलाते हैं— संजय ने कहा।

माँ ने कहा— चाचाजी के साथ ही पटाखे चलाना।

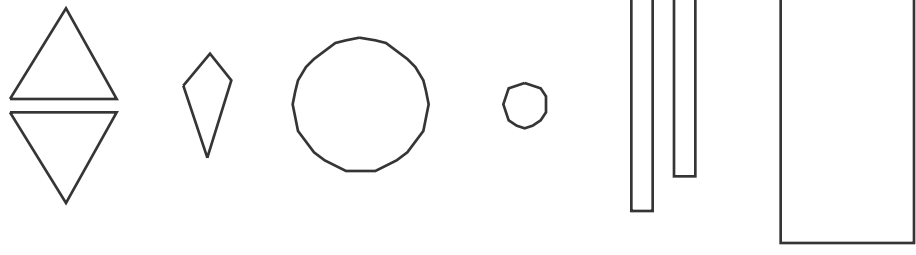


संजय और सुखदा पटाखों के डिब्बे लेकर चाचाजी और दोस्तों के साथ बाहर धमा-चौकड़ी करने लगे। थोड़ी देर में घर के सभी सदस्य अपने घरों की छतों पर आ गए। चारों ओर दीपों की जगमगाहट से घर बड़े ही सुन्दर लग रहे हैं।

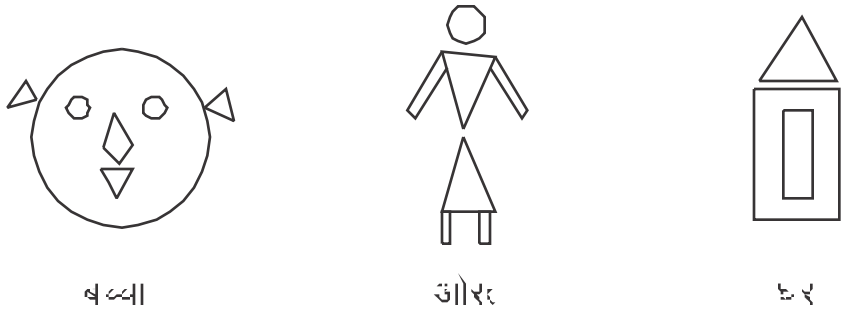
### vH; kl &

1. एक खाली कागज पर रंगोली बनाइए जो दीपावली पर आपके घर में बनाई जाती है।
2. अध्याय में किस-किस प्रकार के कचरों की बात की गई है?

3- nhikoyh dh I QkbZ ds nkjku fudys VWseVdkj i jkus i k&VdMj xÜks vkfn dks f?kl dj] dkVdj vyx&vyx vkdkjka eacukb ,A uhp ds nk vkdkj fn; sx; sg



4- bu vkdkjka dks tekdj uhp ds nk vkÑfr; k cukbZxbZg vki Hh bl rjg dh vÜ; nI vkÑfr; k cukb ,A



बच्चा

आदम

घर

5- vi us}kjk cukbZxbZvkÑfr; k dksi dI y I sdx t ij cukb ,A

vè;ki d fun&k पाठ में आए प्रश्नों पर बच्चों के साथ मौखिक चर्चा कीजिए।

## किस ओर क्या

1/2 वक्र i N} nk, ck, i %

1- वक्र i N} nk, ck, i % के सामने क्या-क्या है? /; कु l snf[k, vj crkb, &

(i) आपके सामने क्या-क्या है?

-----  
-----

(ii) आपके पीछे क्या-क्या है?

-----  
-----

(iii) आपके दाईं ओर क्या-क्या है?

-----  
-----

(iv) आपके बाईं ओर क्या-क्या है?

-----  
-----

2- वक्र i N} nk, ck, i % के सामने की ओर क्या-क्या है?

(i) आपके सामने की ओर क्या-क्या है?

-----  
-----

(ii) आपके पीछे की ओर क्या-क्या है?

---

---

(iii) आपके दाईं ओर क्या-क्या है?

---

---

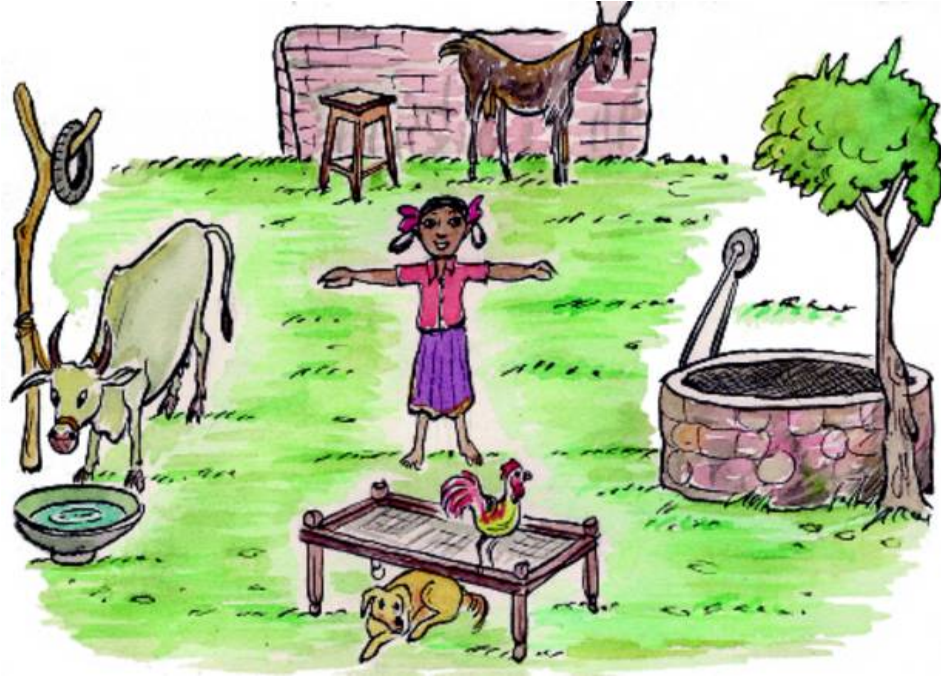
(iv) आपके बाईं ओर क्या-क्या है?

---

---

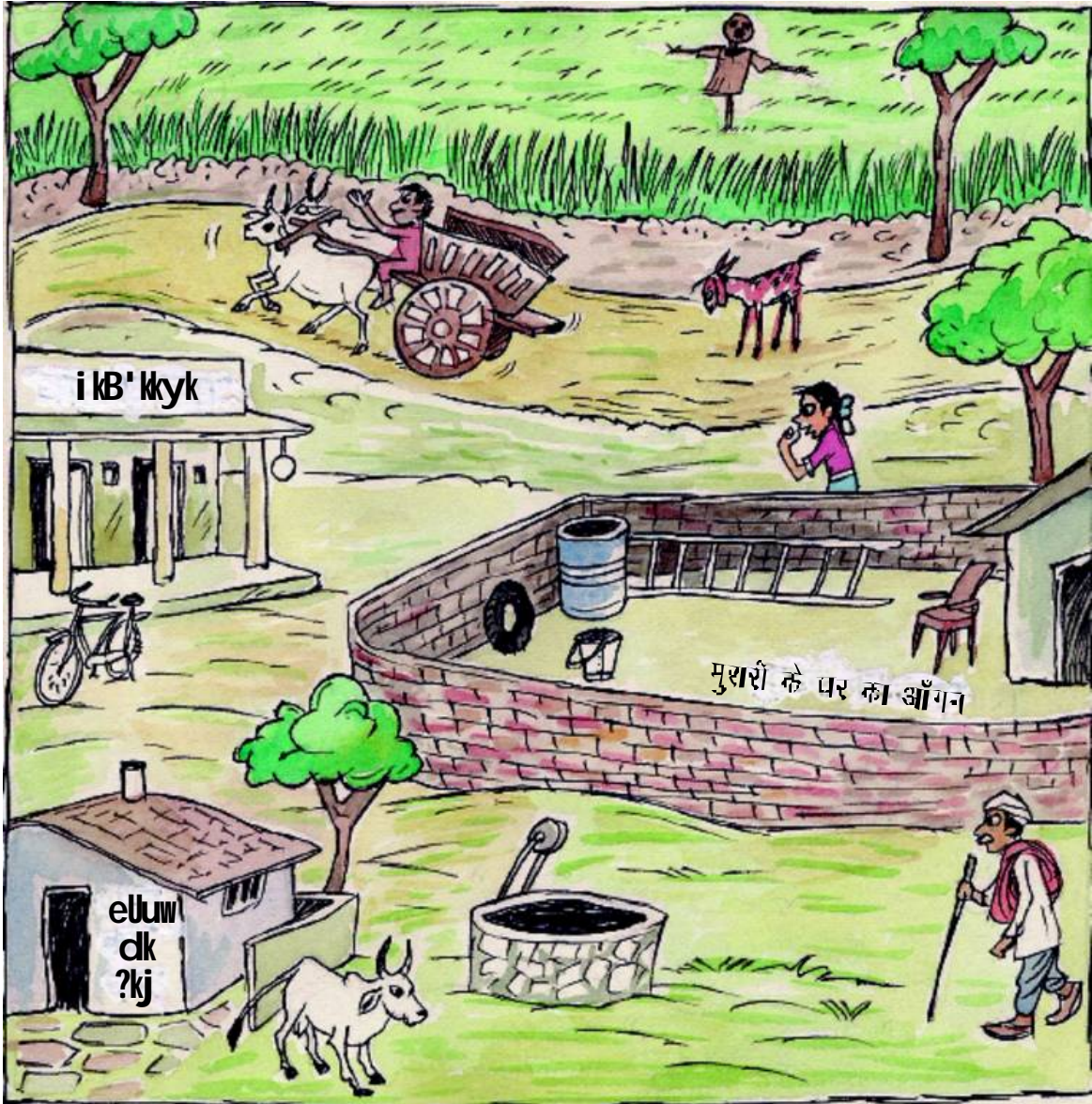
## bl sHkh dhft, %&

मंजू अपने घर के आँगन में खड़ी है। उसके सामने कुत्ता, मुर्गा और चारपाई है। उसके पीछे की ओर बकरी, स्टूल और दीवार है। दाएँ हाथ की ओर गाय, टायर, पानी का पात्र और लकड़ी का खंभा है। बाएँ हाथ की ओर कुआँ और पेड़ है।





1/2 cl Urh dk Ldy %



यह बसन्ती के स्कूल और उसके आस-पास का चित्र है। बसन्ती बेर खाते हुए स्कूल की ओर जा रही है।

fp= dksè; ku l snf[k, vkj crkb, &

1. मुरारी के घर के आँगन में क्या-क्या सामान पड़ा है?

-----

2. मन्नू के घर के आसपास क्या-क्या है?-----

-----

3. सड़क पर क्या-क्या है ?-----

-----

4. बसन्ती के दाईं ओर क्या-क्या है?-----

-----

5. बसन्ती के बाईं ओर क्या-क्या है?-----

-----

6- bl fp= dsfy, vki rhu l oky vkj l kfp, vkj mucs tokc vi us  
nktrkal si fN, A vki ust lsl oky l kpsmlgafyf[k, A

(i) -----

(ii) -----

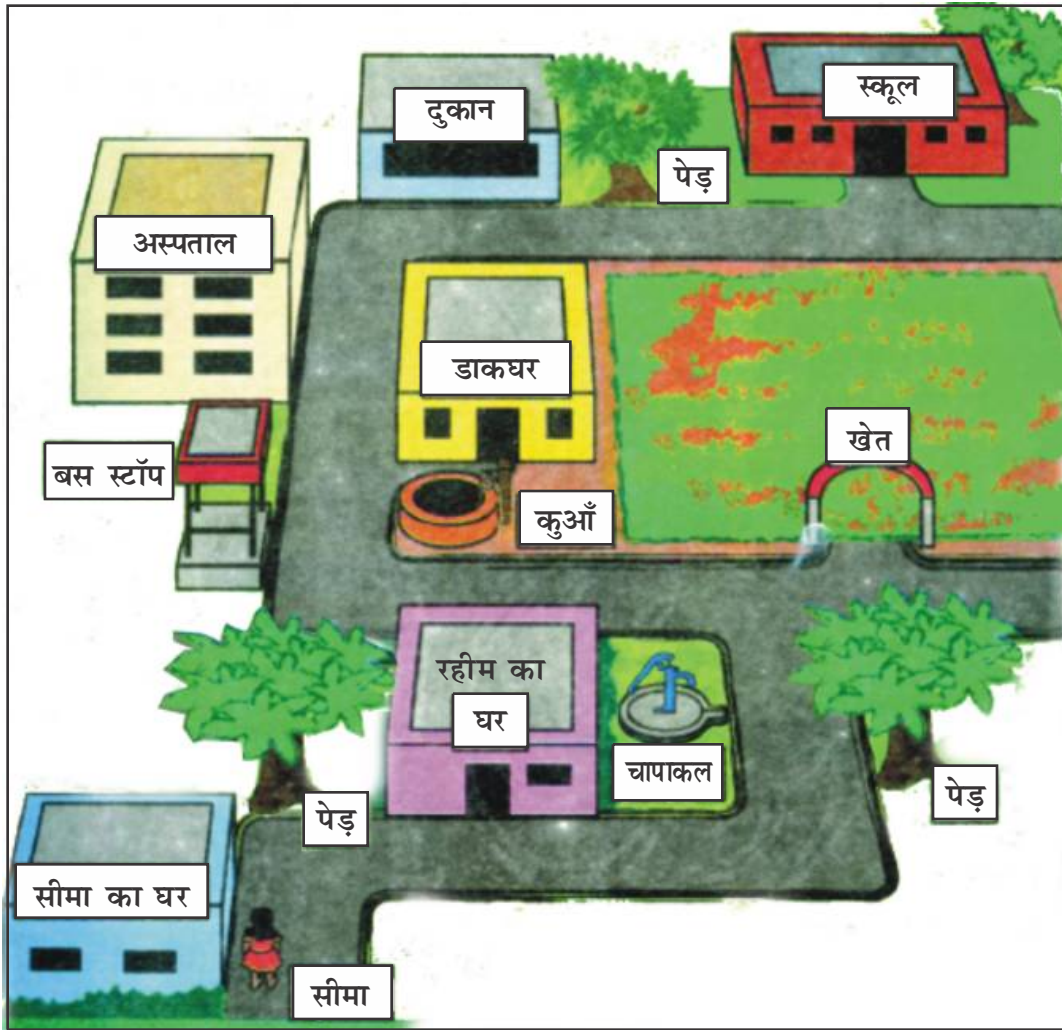
(iii) -----

CCC



## स्कूल के आस-पास

यह सीमा के घर से स्कूल तक के रास्ते का चित्र है।



1. सीमा घर से स्कूल जा रही है। आप उसके घर से स्कूल तक के रास्ते को पेन्सिल से दिखाइए।



## 6- I hek ds?kj I sLdiyokysfp= ea; g dgk cusA

1. बिजूका \_\_\_\_\_

2. डॉक्टर \_\_\_\_\_

3. बस \_\_\_\_\_

4. बच्चे \_\_\_\_\_

### dk& fn'kk fd/kj %

vkvkscPpkar{gscrk, }  
gkrh gSdy pkj fn'kk, A  
ft/kj I sfudysl ijtjke]  
ml dksykrq ijc ekuA  
i ijc vkj eg dj gks [kMs  
i hB i hNsi f'pe i Mq  
ck; k; gkFk dksmUkj vk, ]  
nf{k. k nk; k; gkFk crk, A  
vkvkscPpkar{gscrk, i  
gkrh gSdy pkj fn'kk, }



अपने दोस्तों के साथ जिस दिशा में सूरज उगता है उस तरफ मुँह करके खड़े हो जाइए। हाव-भाव के साथ कविता को बोलिए।

### xfrfof/k

कक्षा के सभी बच्चे पाँच टोलियों में बँट जाइए। अब बारी-बारी से प्रत्येक टोली में से एक-एक सदस्य आए और पूरब की तरफ मुँह करके खड़ा हो जाए।

बाकी टोलियों के बच्चे उससे आगे लिखे प्रश्न पूछें।



i kB&14

## पानी

“पानी बरसा भर गए ताल ।  
तालों में खुश मेढक लाल ॥  
घादल आए करते शोर ।  
नाच उठे बागों में मोर ॥  
टर्टों टर्टों की आवाज़ ।  
छेड़ रहे हैं मेढक साज़ ॥  
बच्चों को जो आया ताव ।  
तैराई कागज़ की नाव ॥  
निकल पड़ी छातों की रेल ।  
बाज़ारों में ढेलम-ढेल ॥  
मोटूमल का खोया ध्यान ।  
फिसले गिरे हुए हैरान ॥  
हमसे एक हो गई भूल ।  
पानी में दौड़े स्कूल ॥  
टीचर ने दी छुट्टी बोल ।  
हम घर आए होकर गोल ॥”

jkfgrk'o vLfkuk



1. इसके अलावा क्या आप पानी पर कोई कविता या गाना जानते हैं? कक्षा में सुनाइए।

2- **dfork eai kuh dsvkusi j D; k&D; k gkuk crk; k x; k g&**

---

---

3- **t c ckfj 'k vkrhg\$ rksvki D; k&D; k djrsg&**

---

---

4- **ckfj 'k ds vykok gea vk\$ dgk&dgk I s i kuh feyrk g& uhps dN  
ty&l krkadsuke fn, x, g& vki dsvkl &ikl bueal stksghmu ij  
I gh 1/8 1/2 dk fu 'kku yxkb, A**

झील	( )	कुआँ	( )	तालाब	( )
झरना	( )	सागर	( )	नदी	( )
नहर	( )	चापाकल	( )	आहर	( )
नलकूप	( )	नल	( )	पोखर	( )
पैन	( )				

5- **ty dsdkbzvl; I kr g&rksmudk uke fyf[k, A**

---

---

---

6- **D; k vki ds; gk i kuh ykus?kj I snj tkuk i M-rk g& i kuh ykuseafdruk  
I e; yxrk g&**

---

---

7-(i) uhp sdN fp= fn, x, gñ bueajx Hkj, rFk i R; d dsuhpsml dk uke Hk fyf[k, A



(ii) vki ds?kj eafdu&fdu phtkæai kuh Hkj dj j [kk tkrk gñ mudsuke fyf[k, vkj fp= cukb, A

8- **fi Nysi "B ij cuk, x, fp=kææ;fn I HkhcrZkææÅi j rd ikuh I shk  
fn;k tk, rk&**

(i) किस बर्तन में सबसे कम पानी होगा?

-----

(ii) किस बर्तन में सबसे ज्यादा पानी होगा?

-----

(iii) यह आप कैसे कह सकते हैं?

-----

9- **fp= eafn[kk, x, rjhdsI si z kx dlf t, ,oai rk yxkdj fyf[k, fd  
,d ckVhæfdrusex ikuh vk,x\**

-----



10- **i kuh dksHkj dj j [kusdh t : jr D; kai M+r h g&**

-----

-----

11- **vki ikuh dk mi ; kx fdu&fdu dkelædsfy, djrsg&**

-----

-----



आपको अलग-अलग कामों के लिए दिनभर पानी की आवश्यकता होती है। नीचे उन कामों की सूची दी गई है। इनमें से सबसे ज्यादा पानी जिसमें लगता है, उसे पहले लिखिए। उसके बाद उससे कम पानी लगने वाले काम को लिखिए। इसी प्रकार सबसे कम पानी वाले काम को सबसे बाद में लिखिए।

**dke %ugkuseḡ i huseḡ di Ms/kuseḡ ?kj /kuseḡ vkVk xpkuseḡ [kr ea  
i kuh nuseḡ**

- |          |          |
|----------|----------|
| 1. _____ | 2. _____ |
| 3. _____ | 4. _____ |
| 5. _____ | 6. _____ |

**12- vki ?kj eai husdk i kuh fdl crŹ esHkj dj j [krsg**

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

**13- i husdsi kuh dlshkj dj j [kusevki fdu&fdu ckrkœdk /; ku j [krsg**

\_\_\_\_\_

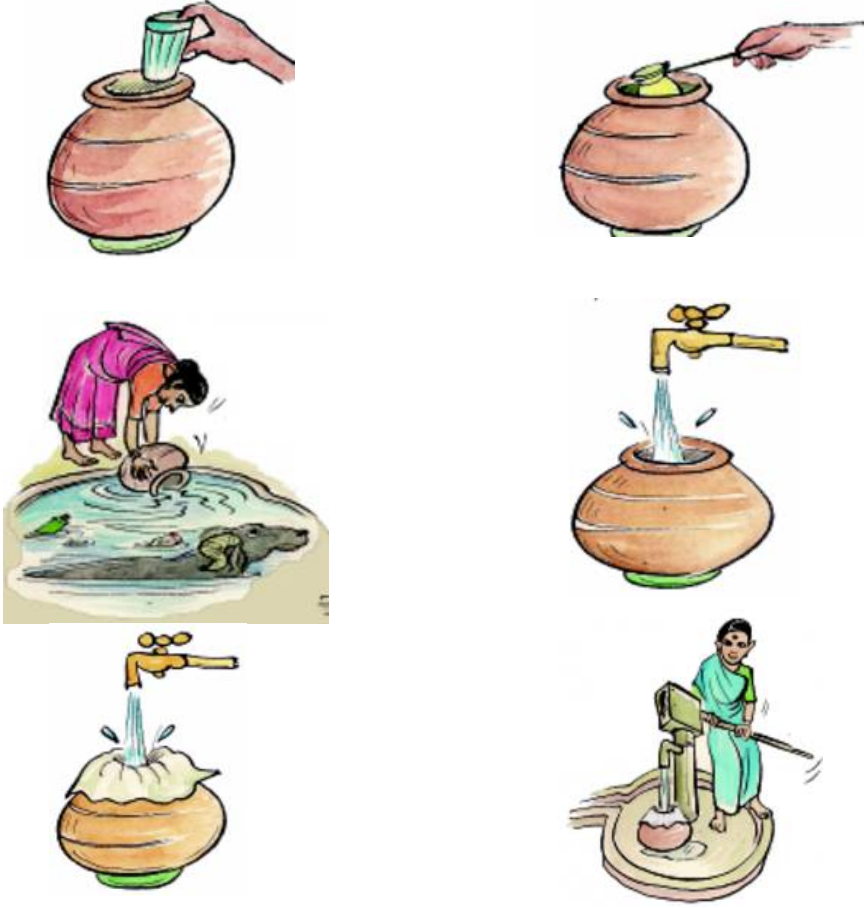
\_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_

**14- ,Ź spkj dke fyf[k, tks&**

- (i) आप पानी के बिना जरूर सकते हैं।
- (ii) आप पानी के बिना नहीं कर सकते हैं।

15- uhpfn, x, fp=kadks/; ku l snf[k, ,oappkZdjdscyf[k, &



- (i) ऊपर दिये गये चित्रों में क्या-क्या काम हो रहे हैं?
- (ii) चित्रों में काम करने के कौन-कौन से तरीके सही हैं तथा कौन-कौन से तरीके गलत हैं, उन पर सही (3) एवं गलत (5) का निशान लगाइए।
- (iii) गलत तरीकों से काम करने से हमें क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं?

## ty | j{k.k

ऋचा और राधा दोनों सहेली हैं। ऋचा बिहार में रहती है और राधा राजस्थान में। एक बार गर्मी की छुट्टियों में ऋचा, राधा के घर गयी। ऋचा ने देखा कि राधा के गाँव के लोग पीने का पानी बहुत दूर से लाते हैं। ऋचा ने राधा के घर के आँगन में एक बड़ा गड्ढा (टैंक) भी देखा। इस पर ऋचा को बहुत अचरज हुआ। उसने राधा से पूछा कि तुम्हारे घर में गड्ढा क्यों बना हुआ है? राधा ने कहा कि इस गड्ढे में हम बरसात का पानी इकट्ठा करते हैं। फिर इसका विभिन्न कामों में उपयोग करते हैं। ऋचा ने कहा कि हमारे यहाँ भी गर्मियों में पीने के पानी की कमी हो जाती है। हम लोगों को भी पानी बचाने के लिए कुछ ऐसा ही करना चाहिए।

16- D; k vki ds?kj i j cj l kr ds i kuh dksbdV Bk fd; k tkrk g\$ ; fn fd; k tkrk g\$ rksd\$ \$

---

---

17- ge yk\$ i kuh cpkusdsfy, D; k&D; k dj l drsg\$

---

---

18- fp= n{k dj crkb, fd ,d ckj eami ; k\$ eayk; k x; k i kuhfdl i dzk n\$ jsdke eafy; k x; k g\$

---

---

---

---

---

---



19- D; k i kuh dk nckjk mi ; kx djusdk vlg dkbZ rjhdK Hh gkI drk gS  
I kpdj crkb, A



चित्र 'अ'



चित्र 'ब'

20- fp= nf[k, vlg crkb, &

(i) चित्र 'अ' में क्या हो रहा है?

-----

(ii) चित्र 'ब' में क्या हो रहा है?

-----

(iii) आपको दोनों में से कौन-सी बात सही लगती है और क्यों?

-----

-----

## दानापुर से गौरा तक

यश और आयुष अपने माता-पिता के साथ दानापुर में रहते हैं। उन्होंने गर्मी की छुट्टियों में अपने गाँव गौरा जाने का कार्यक्रम बनाया। यह गाँव लखीसराय जिले में है।



सुबह के 05:30 बजे ही उनके घर पर ऑटो-रिक्शेवाला आ गया। सभी लोग उस पर सवार होकर पटना जंक्शन आ गये। 07:00 बजे तूफान एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म पर लग गई। वे उस पर सवार हो गये। सुबह लगभग 09:30 बजे गाड़ी लखीसराय पहुँची।



वहाँ से उनके गाँव की ओर रेलवे-लाइन नहीं थी। वे लोग लक्खीसराय उतरे और गाँव जाने वाली बस पर चढ़े। बस में बहुत भीड़ थी। बस स्टैण्ड पर यश के चाचा-चाची उन्हें लेने आये हुए थे। सभी लोग टमटम पर सवार होकर घर तक पहुँचे।

दादा-दादी को देखते ही बच्चे उनसे लिपट गये। आयुष ने कहा— आज हम लोगों को बहुत मजा आया। सवेरे से हम लोग कई तरह के वाहनों पर चढ़े। कभी ऑटो पर तो कभी रेल पर फिर बस में और फिर टमटम पर। यश ने कहा चलती हुई रेलगाड़ी से पीछे की ओर भागते पेड़-पौधों और घरों को देखना बहुत अच्छा लग रहा था।



आयुष ने कहा— मुझे तो सबसे ज्यादा मज़ा टमटम पर आया। घोड़े की टप-टप और टमटम वाले की बोली दोनों अच्छी लग रही थी।

1- vki usHh dhH ; k=k dh gkxh\ crkb, vki usdgk&l &dgk rd dh ; k=k dh g&

---



---

2- ; k=k dsnkjku vki usdk&dk& I sokgukadh I okjh dh\

---



---

3- vki usvll; dks&dks I sokgu vi uh ;k=k eanf[ ksg mu I Hkh okgukadh I ph cukb, A

---



---

4- bueal solks&l sokgu i vly vFkok Mht y I spyrsg

---



---



---

**dks&l k okgu dgk%**

बहुत सारे वाहन जमीन पर चलते हैं, तो कुछ वाहन पानी पर। कुछ वाहन आसमान में भी उड़ते नजर आते हैं।

5-½ D; k vki crk I drsgafd dks&l sokgu tehu ij pyrsgh dks&l si kuh ij rFkk dks&dks I sgok eamM+rsg

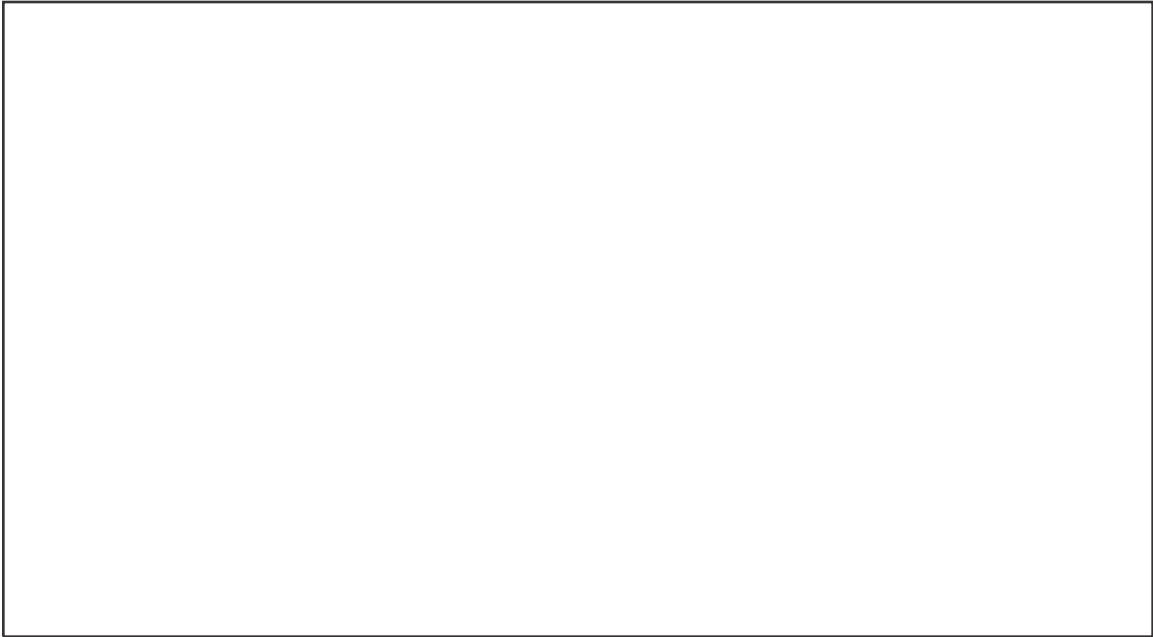
Ø-l a	tehu ij pyusokysokgu	iku h ij pyusokysokgu	gok eamM-usokys okgu

½ bl rkfydk eavki dk i I Unhok okgu dks&l k g ml dsckjs eapkj ykbuafyf[k, rFkk ml dk fp= cukb, A

---



---



vki ds i l a n h k o k g u d k f p =

6- o k g u g e k j s v k o k x e u d s l k f k & l k f k < y k b z d s H h d k e v k r s g a D ; k v k i c r k l d r s g f d d k i & d k i l s o k g u d k m i ; k x f d l & f d l d k e e a g k r k g a

Ø- l a	o k g u d k u l e	; k = k g s r q m i ; k x h	l k e k u y k u s o y s t k u s d s f y ,	; k = k , o a l k e k u y k u s o y s t k u s n k i k a d s f y ,
1.	बरा			



## 7- feyku dlft ,

रेलगाड़ी	आसमान
बस	पानी
हवाई जहाज	सड़क
नाव	पटरी

## 8- ; k=k eayxuskysl e; dsvk/kkj ij budks/kteh xfr l srst xfr dsØe esfyf[k, &

पैदल,	बैलगाड़ी,	रेलगाड़ी,	साइकिल,	हवाई जहाज,	बस
1. _____	2. _____	3. _____			
4. _____	5. _____	6. _____			

## ; krk; kr D; k\

यश और आयुष अपनी फुफेरी बहन खुशी और दादा-दादी के साथ शाम को घूमने निकले। दादी ने कहा- गाँव पहले की तुलना में बहुत बदल गया है। यहाँ भी शहरों की तरह लोगों की भीड़-भाड़ बढ़ गई है।

दादा बोले- सड़क के बनने से गाँव में काफी सुविधा हो गई है। प्याज के लिए ज्यादा बड़ा बाजार हो गया है। देखो, कितने सारे वाहन प्याज की ढुलाई में लगे हुए हैं। सभी लोग उस तरफ देखने लगे जहाँ टेले, बैलगाड़ी, ट्रक एवं ट्रैक्टर लगे हुए थे, जिन पर प्याज की बोरीयाँ लादी जा रही थीं।



खुशी ने कहा – इतने सामान को ढोने के लिए वाहन को बहुत ताकत की जरूरत होती होगी। आखिर वाहन में ताकत आती कहाँ से है?

आयुष बोला – कुछ वाहन पशुओं की ताकत से चलते हैं जबकि कुछ डीजल या पेट्रोल वाले ईंधन से। कुछ वाहनों को आदमी अपने से भी खींचता है।

9- vki crkb, ] dks&l sokgu fdI dh rkd r I spyrsg

i' kpk ds }kjk pyusokyk okgu	vkneh ds }kjk [kps t kus okyk okgu	b'ku ds }kjk pyusokyk okgu

बातों-बातों में यश ने कहा कि वाहन के अनुसार उसके पहियों का आकार और बनावट भी अलग-अलग होती है।

खुशी बोली – कुछ वाहन के पहिये रबड़ के बने होते हैं तो कुछ वाहनों के पहिये लकड़ी के। रेलगाड़ी का पहिया तो लोहे का बना होता है।

10- vki usHh okguk ds i fg; k dks n [k gk kA crkb, fdI okgu dk i fg; k fdI pht+dk cuk gkrk g

okgu dk uke

i fg; k fdI pht+dk cuk g

आयुष ने कहा— विभिन्न प्रकार के वाहनों में पहियों की संख्या अलग-अलग होती है।

### 11- D; k vki i fg; kadh l ५ ; k dsvk/kkj ij okgukadsuke fy [k l drsg

nksi fg; k okgu	rhu i fg; k okgu	pkj i fg; k okgu	N%i fg; k okgu	N%i fg; k l svf/kd l ५ ; k okyk okgu

अंधेरा घिरने लगा था। सभी लोग घर की ओर लौटने लगे तभी यश ने पूछा, “दादाजी पहिया इतनी आसानी से घुमता कैसे है?”

दादा बोले – इसे समझने के लिए चलो घर पर कुछ करते हैं। उन्होंने बच्चों को टेबुल पर रखी किताब को सरकाने के लिए कहा। फिर बोले अब किताब के नीचे दो पेंसिल डाल कर किताब को सरकाओ। सभी बच्चे ऐसा करने लगे। आप भी करके देखें और समझें कि किताब आसानी से सरक रही है या नहीं।

आयुष ने कहा – अब मैं समझ गया। पेंसिल गोल है इसलिए किताब आसानी से सरक रही है। अब मैं भी गोल-गोल पहियों वाली अपनी गाड़ी बनाता हूँ।

### I kpdj dlft , &

### 12- ; fn ; krk; kr dsl k/ku ughagkarksD ; k glxk\

-----

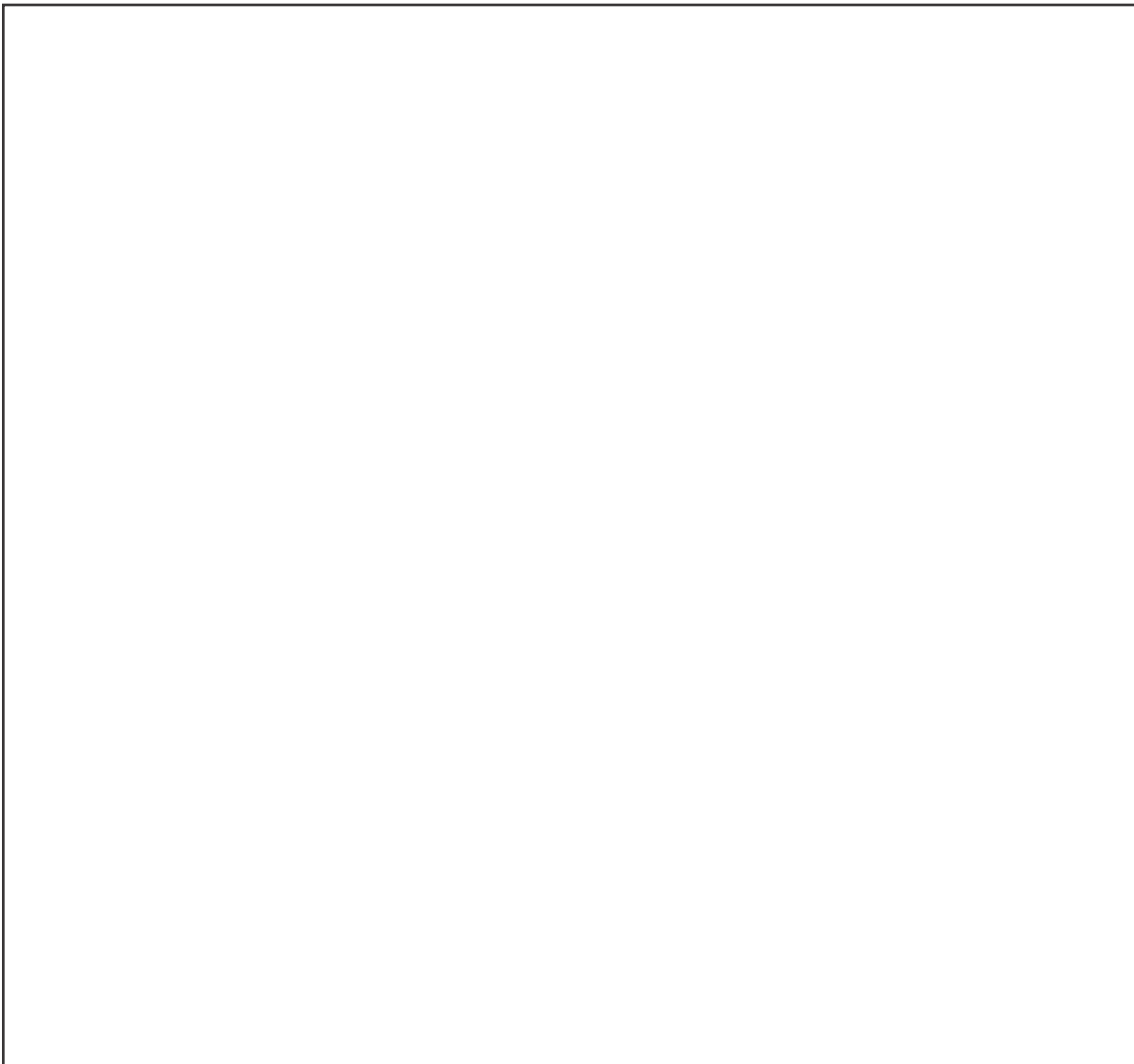
-----

13- D; k ; krk; kr dsl k/kukal sgeadkbZupl I ku Hkh gkrk gS

---

---

14- vi usi I Unlnk okgukadsfp=kadksbdVBk dhft , vifj uhpscusckll ea  
fpi dk, A



CCC

## चिट्ठी का सफर

“देखो एक डाकिया आया,  
 राध में अपना थैला लाया  
 खाकी टोपी, खकी चर्दी,  
 अकर उसने चिट्ठी दे दी।  
 संदेशा शादी क आया,  
 उसमें हन सबको है बुलाया।  
 सब शादी में जायेंगे।  
 खूब गिउई खाएँगे।”



1- दfork eafpVBhD; k l nsk yclj vkbZgS

---



---

2- fpVBh dks yclj vk; k\

---

3- vki dsekjYysea d gk& dgk l sfpfVB; k; vkrh gS

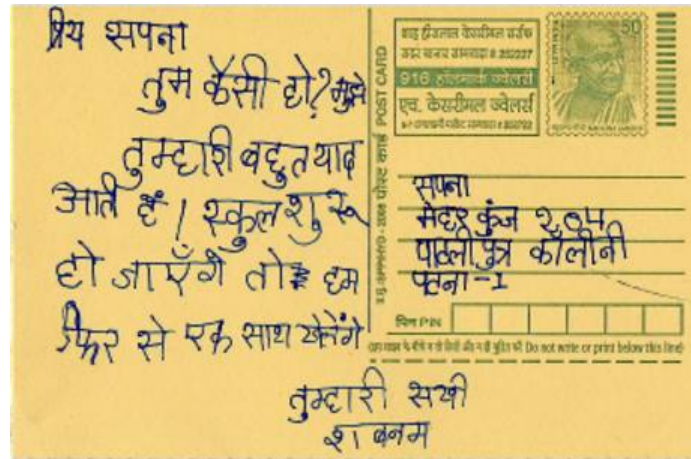
---

क्या आपको पता है, चिट्ठी एक जगह से दूसरी जगह कैसे पहुँचती है? आइए। एक ऐसी ही चिट्ठी के सफर के बारे में जानते हैं, जिसे शबनम ने अपनी दोस्त सपना को लिखी।

## fpVBh dk | Qj %

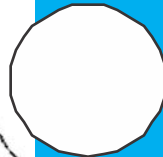
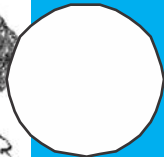
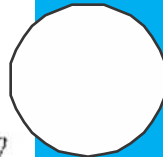
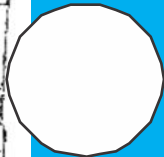
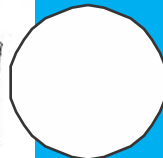
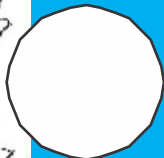
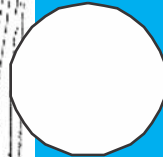
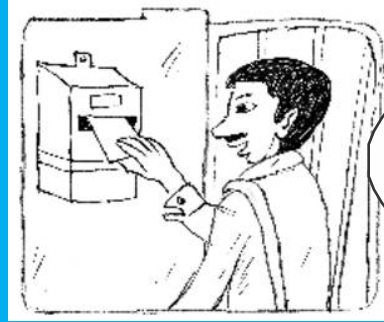
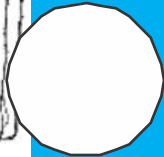
मैं हूँ एक चिट्ठी। जिसे शबनम ने सपना को लिखी। लिखकर उसने मुझे पत्र-पेटी में डाला। डाकिए ने मुझे निकालकर एक बड़े से थैले में डाला। मैं हो गई डाकिए की साइकिल पर सवार और पहुँची डाकघर। वहाँ मुझे थैले से निकाला और मुझ पर एक जोर का ठप्पा लगाया। ठप्पा था आरा का। और यहाँ से शुरू हुआ मेरा सफर।

ठप्पे के बाद पहुँची मैं दूसरे थैले में। इसमें अनेक चिट्ठियाँ थीं, ये सब पटना जा रही थीं। डाकघर की लाल गाड़ी से मैं रेलवे-स्टेशन पहुँची। वहाँ से मैं पटना जानेवाली रेलगाड़ी में चढ़ी।



दो घंटे के बाद मैं पटना पहुँची। वहाँ के डाकघर में पत्र पर लिखे पते के अनुसार फिर से हुई मेरी छँटाई और फिर लगा ठप्पा। इसके बाद डाकिये ने मुझे सपना के घर पहुँचा दिया।

4- uhpshuk dh fpVBh dk I Qj fp=kæafn; k x; k gñ i j ; sl kjsvkx&i hNs  
 gksx, gñ budk Øe I kfp, vñ ml dsvuđ kj fp=kædsuhpsl gh uEcj  
 Mky, A

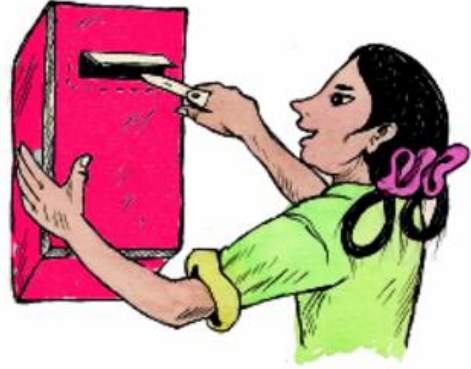


## वकी Hh fpVBh fyf[k, %

क्या आपने कभी चिट्ठी लिखी है, जैसे शबनम ने अपनी दोस्त सपना को लिखी। एक चिट्ठी आप अपनी कक्षा में किसी दोस्त को लिखिए। और हाँ! चिट्ठी के ऊपर अपने दोस्त का नाम जरूर लिखिएगा।

सब ने चिट्ठी तो लिख दी, पर डालेंगे किसमें?

1. कूट का एक डिब्बा लीजिए।
2. डिब्बे को लाल रंग से रंग दीजिए या उस पर लाल कागज चिपका दीजिए।
3. अब डिब्बे के ढक्कन को कैंची से इतना काटिए कि चिट्ठी उसमें चली जाए।



लो हो गई तैयार पत्र-पेटी :

आप सभी एक-एक करके अपनी लिखी चिट्ठियाँ इस पत्र-पेटी में डाल दीजिए। अब एक बच्चा डाकिया बनकर पत्र-पेटी से सभी चिट्ठियों को निकाले एवं बच्चों को उनकी चिट्ठियाँ बाँट दें।

अच्छा लगा दोस्त की चिट्ठी पढ़कर?

## fpfVB; k o mudsfVdV %

4- तऽ svkiusviusnkr dksfpVBh fy [kh oऽ sgh vki ds?kj i j Hh nkr , oafj' rnkjkadh fpfVB; k Hh vkrh gkxhA ?kj I s, j h dN fpfVB; kcdk bdVBk djdsnf[k, A

(i) क्या सभी चिट्ठियों पर टिकट लगे हैं?

(ii) क्या सभी टिकट एक जैसे हैं?

(iii) उनमें क्या अंतर हैं?



(iv) क्या सभी विद्युतियों पर डाकघर का तप लगा है? यदि हाँ, तो ज़िाने तपे लगे हैं?

(v) इकट्टी की हुई चिट्ठियों पर लगे टिकटों को ध्यान से अलग कीजिए व नीचे चिपलाइए।

5- , d LFku I snl js LFku rd I nsk i gpkus ds vkj D; k&D; k rjhds gks I drsg

---

---

6- bu fpfVB; kdsvykok D; k Mkfd; k dN vkj Hh ykrk g

---

---

चिट्ठियों के अलावा हम लोग तार, मोबाईल, फोन, ई-मेल से भी संदेश भेजने लगे हैं। इन साधनों से संदेश बहुत जल्दी पहुँचते हैं।

7- vki dksl nsk Hst usdk dks&l k rjhdk vPNk yxrk g

---

---



## कपड़े तरह-तरह के

दानिश और उसकी बहन सिया दोनों दर्जी की दुकान पर कपड़े सिलवाने गए। दानिश ने दर्जी से कहा— “मुझे कुरता-पायजामा सिलवाना है”, और सिया ने कहा— “मुझे सलवार-कमीज। फिर दर्जी ने उन दोनों की नाप ली और उनसे कहा कि एक सप्ताह बाद सिले हुए कपड़े ले जाना।



घर जाते समय सिया ने दानिश से कहा कि दर्जी की दुकान पर कितने सुन्दर-सुन्दर, रंग-बिरंगे कपड़े टँगे हुए थे।

दानिश ने कहा— “हाँ, बहुत सुन्दर थे।”

सिया — “हम सभी लोग कितने अलग-अलग तरह के कपड़े पहनते हैं।”

1- fp= eantlzdhnødku i j cgr I kjsdi MsVpxsgq gñ mudsuke fyf[k, A

-----

-----

2- bu di Mka ds vykok vlg , I s dks&dks I s di Ms gñftlgs vki vlg vki ds vki & i kl dsy kx i gursgñ rkydk eamudsuke fyf[k, A


3- Åi j cukbzbzrkfydk eal sNkVdj fyf[k, &

dku I s di Ms i#k igursgñ	dku I s di Ms L=h@yMfd; k i gurh gñ

di Ms l sD; k Qk; nsgk rsgñ%

कपड़े हमें गर्मी से, ठण्ड से, बरसात से और धूल मिट्टी से बचाते हैं। गर्मी में हम सूती कपड़े ज्यादा पहनते हैं। सूती कपड़े हवादार होते हैं, जिससे हमारा शरीर ठंडा रहता है। सर्दी में ऊनी कपड़े हमारे शरीर की गर्मी को बाहर नहीं निकलने देते।

ऊपर बनाई सूची में बहुत से कपड़े ऐसे होंगे, जिन्हें हम केवल सर्दी में पहनते हैं। इन सबके नाम लिखिए।

-----

-----

## dPp&i Dds jax

नम्रता की माँ बाजार से उसके लिए रंग-बिरंगे कपड़े लाई। जब नम्रता ने कपड़े पहने तो उसके शरीर पर कपड़ों का रंग लग गया।

नम्रता ने माँ से पूछा— “माँ, मेरे शरीर पर ये रंग क्यों लग गया?”

नम्रता की माँ ने कहा — “जो कच्चे रंग होते हैं पानी लगने से उनके रंग निकल आते हैं।”

नम्रता बोली — “तो क्या पक्के रंग भी होते हैं?”

माँ— “हाँ, जो रंग धोने से नहीं हटते, वे पक्के रंग होते हैं।”

## 4- djdsnf[k, %

(i) कागज अथवा कपड़ा लीजिए। उस पर अलग-अलग तरह के रंग जैसे— स्याही, काजल, फूलों की पंखुड़ियों का रस, नील, हल्दी लगाइए। फिर उस पर थोड़ा-सा पानी डालिए। क्या रंग फैला या हल्का हुआ? लिखिए।

---

---

(ii) आप कुछ रंग-बिरंगे कपड़ों की कतरन को इकट्ठा कीजिए और उन्हें पानी से धोकर यह पता लगाइए कि उनका रंग पक्का है या कच्चा?

---

---

(iii) क्या फूलों से रंग बनाए जा सकते हैं? शिक्षक की मदद से पता लगाइए।

---

---

(iv) आप भी अपने आस-पास के फूलों—गुलाब, गेंदा, उड़हुल से रगड़ कर आगे बने चित्रों को रंगिए।



5- ge fofHku i dkj dsoL= i gursg dN oL= dksfl yusdh t: jr i Mrh gSvk dN dksughA vc vki fl ysoL= ,oafcuk fl ysoL= dh l ph cukb, A

fl ysoL=

fcuk fl ysoL=

-----  
 -----  
 -----

-----  
 -----  
 -----

; g Hkh dkft , %

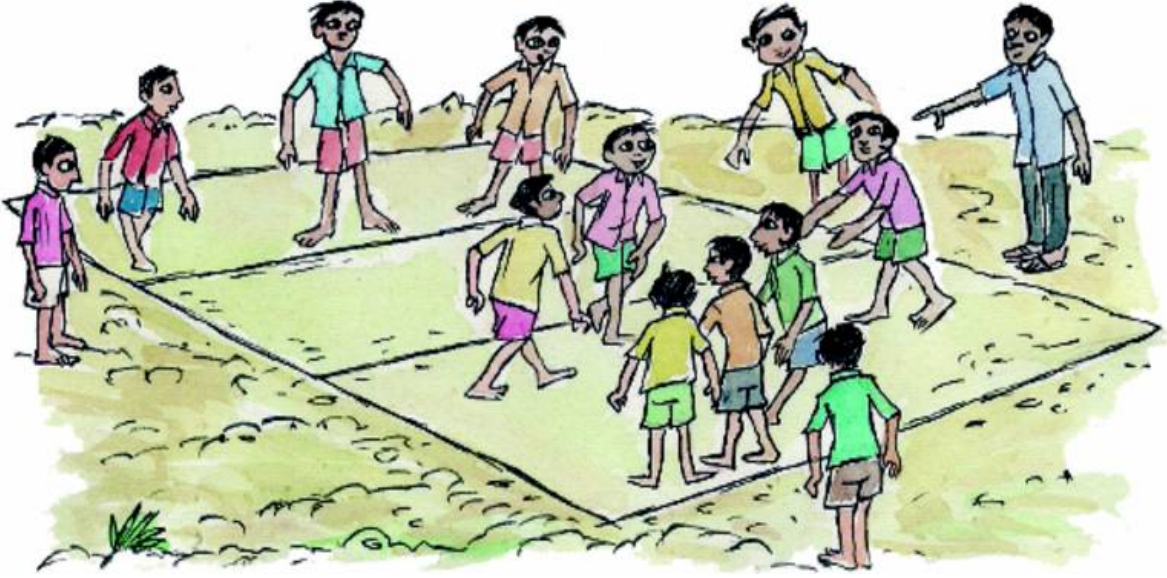
आपने कई तरह की सुन्दर-सुन्दर डिजाइन या चित्रों वाले कपड़े देखे होंगे। अब आप अपनी पसन्द के कपड़ों के चित्र कॉपी में बनाइए और रंग भरिए।

xfrfof/k %

भिण्डी या आलू को बीच से काटिये। उन पर गीले रंग लगाकर कागज या कपड़े पर ठप्पे लगाकर अपनी पसंद की रंग-बिरंगी डिजाइन तैयार कीजिए।

CCC

## तेरी मेरी उछल-कूद



कबड्डी, कबड्डी ..... कबड्डी ..... कबड्डी ।

आ जाओ, हमारे पास आओ । (सामनेवाले समूह से आवाज आई)

कबड्डी..... कबड्डी ..... ।

आउट, आउट ..... (पाले के एक तरफ खड़ा समूह जोर-जोर से चिल्लाया)

कबड्डी..... कबड्डी..... कबड्डी.....(छू लो मोनू, उसे आउट कर दो)

कबड्डी.....कबड्डी.....कबड्डी..... (पकड़ो, जाने न पाए, अरे पकड़ो उसे मत जाने दो)

कबड्डी..... कबड्डी..... क S S S (राजू! इधर आ जा, इधर से पकड़ ना)

अरे मोनू ने छोटू को छू लिया, पकड़ लो उसे, मत जाने दो ।

कबड्डी..... कबड्डी..... (मोनू जल्दी दौड़, वापिस आ जा जल्दी.....)

आउट, आ S S S....., आउट, आ S S S....., आउट, आ S S S.....

ओहो छोटू तुम आउट हो गए।

छोटू.... आउट, आउट, आ S S S....., आउट, आ S S S.....उट।

सभी जोर-शोर से चिल्लाने लगे।

अरे कितनी जोर-जोर से “आउट-आउट” की आवाजें आ रही है।

अरे ये सभी बच्चे तो कबड्डी का खेल खेल रहे हैं।

कितना मजा आता है, इस कबड्डी के खेल में, है ना। खींचा-तानी, जोर-झपट्टा, चीखना-चिल्लाना। मिट्टी में घिसट जाना। साँस भरकर कबड्डी-कबड्डी बोलना, इधर-उधर भागना दौड़ना। अपने आप को बचाते हुए दूसरे पाले के लोगों को छूने की कोशिश करना ...है न मजेदार।

1- D; k vki Hh dcMMh dk [ky [kyrsg& &&&&&&&&&&&&&&&&&&&&

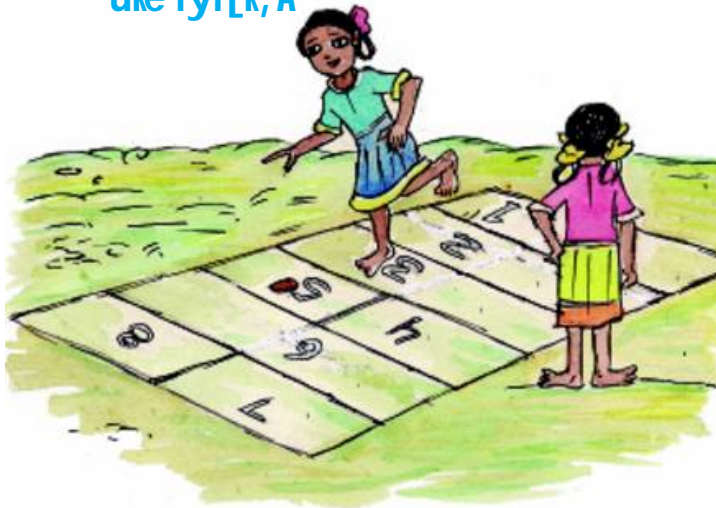
2- vki viusnk&rk&dsI kfk feydj ^dcMMh\* d! s[kyrsg& fyf[k, A

xfrfof/k %

आप अपने साथी से कहें कि वह अपनी साँस भरकर “कबड्डी-कबड्डी” बोलकर दिखाएँ और आप उसे गिनकर लिखें। फिर आप “कबड्डी-कबड्डी” बोलें और आपका साथी उसे गिनकर लिखें।

अब बताइए किसने कितनी बार “कबड्डी-कबड्डी” बोला?

3- fn, x, fp= eacPpsdk&dk I s [ky] [ky jsg& fp= dsuhpsmuds uke fyf[k, A



4- vki vi usnk&dk I kf dk&dk I s [ky] [ky rsg& I ph cukb, A

- |          |          |
|----------|----------|
| 1. _____ | 5. _____ |
| 2. _____ | 6. _____ |
| 3. _____ | 7. _____ |
| 4. _____ | 8. _____ |

5- bueal sdk&dk I s [ky] ?kj dsvnj [kys tk rsg&vkj dk&dk I s ckj\

?kj dsvnj [kys tk ukys [ky	?kj dsckj [kys tk ukys [ky
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____



आपने पतंग को उड़ते हुए देखा होगा, पतंग उड़ाई भी होगी। लेकिन पतंग तो कोई अकेले भी उड़ा सकता है पर क्या कबड्डी अकेले खेला जा सकती है?

#####

6- **dcMMh [kyusdsfy, ,d Vhe eafdrusf[kyMMh pkfg, \**

7- **bl h izdkj cgr I kjs [kyka dks [kyus ds fy, vusd f[kykmh; ka dh t: jr gkrh gA vkb, ge bl rkydk ea bu [kyka ds uke vlg f[kykmh; kadh I ; k fy [krsgA**

Ø-I a	[ky dk uke	fdrusf[kyMMh pkfg,
1.	क्रिकेट	11

8-½ **dN [kyka dks [kyusdsfy, doy f[kyMMh pkfg, rksdbZI kjs [kykaea f[kykmh; kads I kfk&l kfk [kyusdsfy, I keku dh Hh t: jr gkrh gA crkb, fdl [ky eafdl &fdl I keku dh vko' ; drk gkrh gA**

Ø-I a	[ky dk uke	D; k&D; k I keku pkfg,

1/2 D; k vki , d s [ky] dscjkjseahk tkursgftlga [kyusdsfy, l leku  
ughapkg, \ budsuke fyf[k, A

---

---

9- i rk dlft , fd vki dsekrk&fi rk tc NK/sFlsrc osdk&dk& I s [ky  
[kyrsfk&

---

---

10- vki dksdk&l k [ky l cl sT; knk i l n gsvk& og d s [kyk tkrk g&  
fyf[k, A

---

---

---

11- vki viuh i l Un dsfdl h , d [ky dks [kyusdsfu; e fyf[k, rFk  
ml dkfp= cukb, A

---

---

---

## कोशिश करके देख लें



यह आँख मिचौली खेल है। आप भी यह खेल अक्सर खेलते ही होंगे। कितना मजा आता है पट्टी बँधे साथी को छेड़ने में। वह इधर जाता है, उधर जाता है पर पकड़ नहीं पाता। पर जब आप की आँखों पर पट्टी बँधी होती है तो पसीना छूट जाता है। जिनकी आँख पर पट्टी बँधी होती है उसे बाकी साथी आवाज दे-देकर इधर-उधर भगाने की कोशिश करते हैं। बहुत बार पट्टीवाला साथी गिरते-गिरते बचता है, इस तरह इस खेल में बहुत मजा आता है। आप सबने यही खेल कई-कई बार खेला होगा।

1- tc vki dh vkj kai j i Vvh c/kh gkrh gsvkj vki l kfk; kadksi dMusk  
i z kl dj rsgarksvki dksd k yxrk g

2- ml l e; vki D; k&D; k l kprsg

3- vki dksdŀ si rk yxrk gSfd vki dsl kFkh dgk gŀ

-----  
-----

4- D; k vki vkokt l sdkŀ nkr gŀ fdl rjQ gŀ fdruh njh gŀ i rk dj i krs gŀ

-----  
-----

5- bl [ky eavki dksl cl svPNk D; k yxrk gŀ

-----  
-----

6- ; fn vki dh vkŀ ka ij i VVh ck/k nh tk; s rks vki D; k&D; k ugha dj i k, xŀ

-----  
-----

-----  
-----

nŀu; khj eacgr l s0; fDr , ŀ sglrsgŀ tksnŀ k ughai krs gŀ yfdu osNŀlj o egl ŀ djdsosl Hh dk; Zdj yrsgŀ dkbZ mlga tcjnLrh l gkjk nsrks os ukjkt gkstkrs gŀ tc dHh mlgaenn dh t: jr gkrh gSrkosekx yrsgŀ , ŀ s0; fDr l Hh rjg dk dk; Zdj yrsgŀ tksdkbZ Hh 0; fDr dj yrk gSvkŀ mlga dHh dkbZ fnDdr ughavkrh gS; gh ugha , ŀ s0; fDr i <ŀfy[kdj vkt dbZrjg dsdk; Zdj rsgŀ

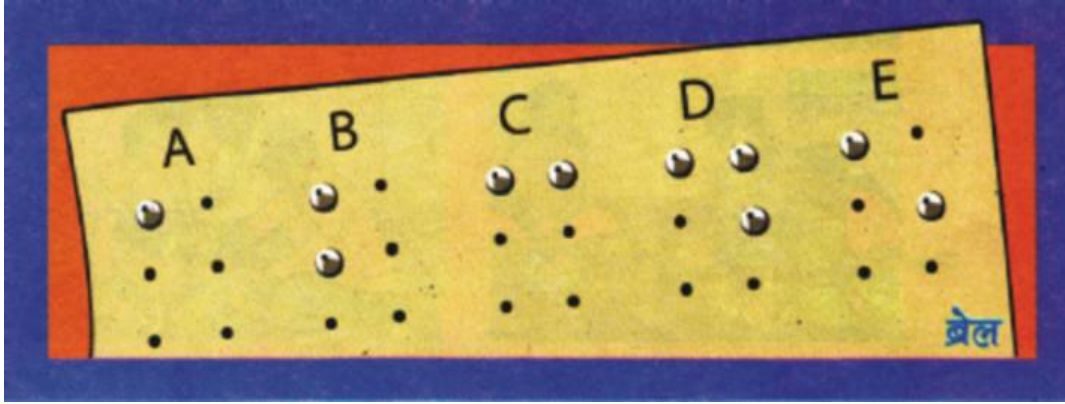
7- vki dsvkl &ikl bl rjg ds0; fDr gkŀsftUgafn[kkbZ ughansk gŀ os vi uk dke dŀ sdjrsgŀ i rk dj dsfyf[k, A

-----  
-----

-----  
-----

## नज़क उगल द्रसfdUrqı <+l drsg%

जो लोग देख नहीं पाते हैं वे चीज़ों की पहचान आवाज़, गंध एवं छूकर करते हैं। उनकी ये सब क्षमताएँ अभ्यास से बहुत पैनी हो जाती हैं। वे बहुत कुछ महसूस कर पाते हैं। उनके पढ़ने के लिए एक विशेष प्रकार की लिपि है इसे “ब्रेल लिपि” के नाम से जाना जाता है। ब्रेल लिपि से पढ़ने एवं लिखने के लिए अक्षरों को उभारकर बिन्दु के रूप में लिखा जाता है।



ब्रेल लिपि की खोज करनेवाले ‘लुई ब्रेल’ भी आँखों से देख नहीं पाते थे। चोट लगने से बचपन में उनकी आँखें खराब हो गई थीं।

## 'kSylnz dh i fg; kkyh dq lz

शैलेन्द्र स्कूल से आने के बाद खिड़की के पास बैठकर ड्राइंग बनाता रहता है उसकी माँ कहती वह सबसे अच्छी ड्राइंग बनाता है एक दिन उसके पिताजी उसके लिए पहियोंवाली कुर्सी ले आये। शैलेन्द्र ने जल्दी ही अपनी कुर्सी को आगे पीछे घुमाना सीख लिया। अब वह अपने घर में कहीं भी आ जा सकता है। एक दिन उसके पिताजी उसे घर के पास एक बगीचे में ले गये जहाँ कुछ बच्चे बॉल से खेल रहे थे शैलेन्द्र उन बच्चों को खेलते हुए देख रहा था, इतने में उसके पास बॉल आई। उसने बॉल को पकड़ लिया व उठाकर फेंक दी। वह बैठा-बैठा बच्चों को खेलते देख रहा था, कि एक बच्चा उसके पास आया और बोला, तुम भी खेलोगे? शैलेन्द्र ने खुशी से सिर हिलाया। बच्चों ने बातचीत की और उसे भी खेल में शामिल कर लिया।



8- mu cPpkaus' ksythz dksd s [ksyk; k gksk\

---

---

9- vki 'ksythz dksvi usl kfk vkj D; k&D; k [ky [ksyk l drsg\

---

---

10- d s [ksyk, x\

---

---

11- 'ksythzvi us?kj esD; k&D; k djrk gksk\

---

---

### l dsrk dh Hk'kk

आपस में बात करने के लिए हम अक्सर शब्दों का प्रयोग करते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि हम बिना बोले ही किसी को इशारे से बुला लेते हैं। ये इशारे अलग-अलग तरह के भी होते हैं और एक जैसे भी। आपको यह शायद पता नहीं होगा कि संकेतों की एक सम्पूर्ण भाषा है। हमारे आस-पास बहुत से ऐसे लोग हैं जो संकेतों की भाषा का उपयोग करते हैं कुछ लोग जो बोल नहीं सकते वे संकेतों की भाषा का उपयोग करके सभी तरह की बातचीत कर सकते हैं। इसमें हाथों व उँगलियों का भरपूर उपयोग होता है। संकेतों व इशारों



पर आधारित समाचारों का प्रसारण टेलीविजन पर भी किया जाता है। इस तरह की भाषा का उपयोग करते हुए लोग दुनियाभर की जानकारी का आदान-प्रदान करते हैं।

12- ; fn fcuk cksys gh ulps fn, x, dk; k dks djuk gks rks vki mlga dS s djak

(i) मेहमान का अभिवादन।

-----

(ii) दोस्तों को अपने पास बुलाना।

-----

(iii) पानी का गिलास माँगना।

-----

(iv) खेलने के लिए साथियों को बुलाना।

-----

CCC

## आओ खेलें मिट्टी से

कमला अपने भाई के साथ मिट्टी लाकर घरौंदा बना रही थी। तभी उसकी सहेली सलमा आ पहुँची।

**I yek&** क्या बना रही हो, कमला ?

**deyk&** घरौंदा बना रही हूँ।

**I yek&** मुझे घरौंदा बनाना सिखाओ ना।



**deyk &** हाँ—हाँ क्यों नहीं। थोड़ी—सी मिट्टी लो। उसमें पानी डालकर मिट्टी को गूँधो।

इस गूँधी हुई मिट्टी से दीवारें बनाओ।

कमला और सलमा दोनों सहेलियाँ घरौंदे बनाने लगीं।



crkb, &

1- D; k vki usfeVvh dk ?kj kñk cuk; k gš

---

---

2- vki ds?kj esfeVvh I scuh dkš&dkš I h phtsgš

---

---

---

3- vki ds?kj kesfeVvh dscj ru fdl &fdl dke evkrsgš

---

---



## i rk dlft , &

- 4- dfgkj ds?kj t kb, vksj nsk[k, fd ?MMk r\$ kj djusdsfy , ml sD; k&D; k r\$ kjh djuh i Mrh g\$

---



---



---



---

- 5- dfgkj feVvh dh pht ad\$ scukrsg\$; g uhpsfy[kk x; k g\$ ij bl dk Øe l gh ughg\$ Øe dksl gh dlft , A

बग बर्तन को सुखाना <input type="radio"/>	मिट्टी खोदकर लाना <input type="radio"/>
पके बर्तन में रंग लगाना <input type="radio"/>	सूखे बर्तनों के आग में पकाना <input type="radio"/>
और बाजार में जाना	
चाक पर बर्तन बनाना <input type="radio"/>	मिट्टी तैयार करना। <input type="radio"/>

- 6- vki dsxkp eaykx D; k&D; k dke dj rsg\$ budksrkfydk eafyf[k,] bu dkeadksdj unksykyk adksD; k dgk t krk g\$ budsuke Hh fyf[k, A

Ø-l a	dke	blg adgrsg\$
1.	मिट्टी के बर्तन बनानेवाले	
2.		
3.		
4.		



7- **Åi j cusfp= dsvk/kj i j ulpsdh rkydk dksi jik dft , A**

feV\h dh cuh pht a	ydMh dh cuh pht a	yksdsh cuh pht a

8- **I gh 'kñkædkspædj [kyh t xg Hkj , &**

दर्जी, किसान, डॉक्टर, शिक्षक

1. जो खेत में अन्न उगाता है। \_\_\_\_\_
2. जो ईलाज करता है। \_\_\_\_\_
3. जो विद्यालय में पढ़ाते हैं। \_\_\_\_\_
4. जो कपड़ा सिलता है। \_\_\_\_\_

## द्वि-वर्ण

शिक्षक बच्चों को चार-चार के समूह बनाकर तालाब, खेत, बगीचे, मैदान, नदी और सड़क की ओर ले जाएँ। अलग-अलग जगह से मिट्टी के नमूनों को इकट्ठा कीजिए। वापस कक्षा में आकर मिट्टी के इन नमूनों को देखकर मिट्टी के रंग व उसके दूसरे गुणों की पहचानकर उन्हें दी गई तालिका में भरिए।

LFku dk uke	Nvdj ns[kusi j			feVvh dk jx
	[kɔnɔh	fpduh	jsrhyh	
खेत				
बगीचा				
मैदान				
तालाब				
नदी				
सड़क				

ge ykxkousvc rd feVvh ty] i M&i k th& tur] i fjokj vkj  
 nk rka dsckj seackrphr dhA bu l c l sfeydj gekjk i ; kbj.k  
 curk gA buds l kfk viuk etar l ak gkuk pkfg, A ; g gekjs  
 fodkl dsfy, vko' ; d gA i ; kbj.k dlsvxj {kfr i gprhgSrksgea  
 Hh {kfr gkxhA

CCC

## हमारा संविधान हमारा मूल कर्तव्य

- 51क. मूल कर्तव्य— भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह—
- (क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करें;
  - (ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करें;
  - (ग) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
  - (घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
  - (ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
  - (च) हमारी सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्व समझे और उसका परिक्षण करें;
  - (छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अन्तर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणी मात्र के प्रति दयाभाव रखे;
  - (ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
  - (झ) सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;
  - (ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों, में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू ले।
- [(ट) माता-पिता या संरक्षक, जैसी भी स्थिति हो, अपने उस बच्चे की, जिसकी आयु छः से चौदह वर्ष के बीच है, शिक्षा देने का अवसर प्रदान करेगा।]

## आओ खेलें मिट्टी से

कमला अपने भाई के साथ मिट्टी लाकर घरोंदा बना रही थी। तभी उसकी सहेली सलमा आ पहुँची।

**I yek&** क्या बना रही हो, कमला ?

**deyk&** घरोंदा बना रही हूँ।

**I yek&** मुझे घरोंदा बनाना सिखाओ ना।



**deyk &** हाँ—हाँ क्यों नहीं। थोड़ी—सी मिट्टी लो। उसमें पानी डालकर मिट्टी को गूँधो।

इस गूँधी हुई मिट्टी से दीवारें बनाओ।

कमला और सलमा दोनों सहेलियाँ घरोंदे बनाने लगीं।

crkb, &

1- D; k vki usfeVvh dk ?kj kñk cuk; k gš

---

---

2- vki ds?kj esfeVvh I scuh dkš&dkš I h phtsgš

---

---

---

3- vki ds?kj kesfeVvh dscj ru fdl &fdl dke evkrsgš

---

---



## i rk dlft , &

- 4- dfgkj ds?kj t kb, vksj nsk[k, fd ?MMk r\$ kj djusdsfy , ml sD; k&D; k r\$ kjh djuh i Mrh g\$

---



---



---



---

- 5- dfgkj feVvh dh pht ad\$ scukrsg\$; g uhpsfy[kk x; k g\$ ij bl dk Øe l gh ughg\$ Øe dksl gh dlft , A

बग बर्तन को सुखाना <input type="radio"/>	मिट्टी खोदकर लाना <input type="radio"/>
पके बर्तन में रंग लगाना <input type="radio"/>	सूखे बर्तनों के आग में पकाना <input type="radio"/>
और बाजार में जाना	
चाक पर बर्तन बनाना <input type="radio"/>	मिट्टी तैयार करना। <input type="radio"/>

- 6- vki dsxkp eaykx D; k&D; k dke dj rsg\$ budksrkfydk eafyf[k,] bu dkeadksdj unksykyk adksD; k dgk t krk g\$ budsuke Hh fyf[k, A

Ø-l a	dke	blg adgrsg\$
1.	मिट्टी के बर्तन बनानेवाले	
2.		
3.		
4.		





7- **Åi j cusfp= dsvk/kj i j ulpsdh rkydk dksi jik dft , A**

feV\h dh cuh pht a	ydMh dh cuh pht a	yksdsh cuh pht a

8- **I gh 'kñkædkspædj [kyh txg Hkj , &**

दर्जी, किसान, डॉक्टर, शिक्षक

- जो खेत में अन्न उगाता है। \_\_\_\_\_
- जो ईलाज करता है। \_\_\_\_\_
- जो विद्यालय में पढ़ाते हैं। \_\_\_\_\_
- जो कपड़ा सिलता है। \_\_\_\_\_

## दृश्यात्मक

शिक्षक बच्चों को चार-चार के समूह बनाकर तालाब, खेत, बगीचे, मैदान, नदी और सड़क की ओर ले जाएँ। अलग-अलग जगह से मिट्टी के नमूनों को इकट्ठा कीजिए। वापस कक्षा में आकर मिट्टी के इन नमूनों को देखकर मिट्टी के रंग व उसके दूसरे गुणों की पहचानकर उन्हें दी गई तालिका में भरिए।

LFku dk uke	Nwdj ns[kusi j			feVh dk jx
	[kjnh	fpduh	jrhyh	
खेत				
बगीचा				
मैदान				
तालाब				
नदी				
सड़क				

ge ykxkausvc तक मिट्टी, ty] iM&iSk th&tUr] i fjokj vkj nk.rka d'sbare में बाज़ phr dhA bu l c lsfeydj gekjk i ; kbj.k curt है। इनके l kfk viuk etar l æk gkuk pkfg, A ; g gekjs विकास के fy, vko' ; d gA i ; kbj.k dksvxj {kfr i gprhgSrksgea Hk {kfr gkxhA

CCC